

गैर-गोपनीय



केस नंबर: एडी(ओआई)- 27/2025

भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
व्यापार उपाय महानिदेशालय

अंतिम निष्कर्ष

चीन जनवादी गणराज्य ("चीन पीआर ") और यूरोपीय संघ से उत्पन्न या वहाँ से निर्यात किए जाने वाले "4-एमिनोडाइफेनिलामाइन" (जिसे "4- एडीपीए " के नाम से भी जाना जाता है) के आयात के संबंध में एंटी-डंपिंग जाँच।

गैर-गोपनीय

भारत के राजपत्र असाधारण के भाग-I अनुभाग I में प्रकाशित होना है

केस नंबर: 6/30/2025-डीजीटीआर

भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग,

व्यापार उपाय महानिदेशालय

चौथी मंज़िल, जीवन तारा बिल्डिंग, 5, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली - 110001

[अंतिम निष्कर्ष]

[केस नंबर: एडी (ओआई 27/2025)]

विषय: चीन पीआर और यूरोपीय संघ से उत्पन्न या निर्यात किए जाने वाले "4-एमिनोडाइफेनिलएमीन (4-एडीपीए)" के आयात से संबंधित एंटी-डंपिंग जांच।

केस नंबर. 6/30/2025-डीजीटीआर – सीमा शुल्क अधिनियम, 1975, जैसा समय-समय पर संशोधित किया गया हो (जिसे आगे "अधिनियम" कहा जाएगा) तथा सीमा शुल्क (डंप किए गए उत्पादों पर एंटी-डंपिंग शुल्क की पहचान, मूल्यांकन और संग्रह तथा चोट के निर्धारण के लिए) नियम, 1995, जैसा समय-समय पर संशोधित किया गया हो (जिसे आगे "एंटी-डंपिंग नियम" या "नियम" कहा जाएगा) को ध्यान में रखते हुए,

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. मेसर्स एनओसीआईएल लिमिटेड (जिसे आगे "आवेदक" कहा जाएगा) ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 तथा एंटी-डंपिंग नियमों के अनुसार, चीन जनवादी गणराज्य ("चीन पीआर") और यूरोपीय संघ (जिन्हें आगे "विषय देश" कहा जाएगा) से '4-एमिनोडाइफेनिलएमीन' (जिसे आगे "विचाराधीन उत्पाद" या "विषय वस्तु" या "4- एडीपीए " कहा जाएगा) के आयात से संबंधित एंटी-डंपिंग जांच शुरू करने के लिए, नामित प्राधिकरण (जिसे आगे "प्राधिकरण" भी कहा जाएगा) के समक्ष एक आवेदन दायर किया।
2. और जबकि, आवेदक द्वारा दायर विधिवत पुष्ट आवेदन के आलोक में, प्राधिकरण ने अधिसूचना एफ. सं. 6/30/2025-डीजीटीआर, दिनांक 29 सितंबर, 2025 का सार्वजनिक नोटिस जारी किया, जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ, जिसमें चीन पीआर और

गैर-गोपनीय

यूरोपीय संघ से विचाराधीन उत्पाद के आयात में एंटी-डंपिंग जांच शुरू की गई, एंटी-डंपिंग नियमों के नियम 5 के अनुसार, विचाराधीन उत्पाद के किसी भी कथित डंपिंग के अस्तित्व, डिग्री और प्रभाव का निर्धारण करने और एंटी-डंपिंग शुल्क की राशि की सिफारिश करने के लिए, जो यदि लगाया जाता है, तो घरेलू उद्योग को कथित चोट को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

ख. प्रक्रिया

3. जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

3.1 दीक्षा

- i. नियम 5(5) के अनुसार, प्राधिकरण ने जांच शुरू करने से पहले भारत में विषय देशों के दूतावास को वर्तमान एंटी-डंपिंग आवेदन की प्राप्ति के बारे में सूचित किया।
- ii. आवेदन की जांच पर, प्राधिकरण ने डंपिंग और परिणामी चोट का प्रथम दृष्टया साक्ष्य पाया। इसलिए, नियम 5 और 6 के अनुसार, अधिसूचना एफ. सं. 6/30/2025-डीजीटीआर दिनांक 29 सितंबर 2025 के माध्यम से, प्राधिकरण ने वर्तमान कार्यवाही शुरू की।
- iii. जांच की अवधि (पीओआई) 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 (12 महीने) मानी गई। चोट अवधि में 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022, 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023, 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 और जांच की अवधि शामिल थी।
- iv. महानिदेशालय प्रणाली और डेटा प्रबंधन ("डीजी सिस्टम्स") से चोट अवधि के लिए विचाराधीन उत्पाद के लेन-देन-वार आयात डेटा का अनुरोध किया गया था। प्राधिकरण को डेटा प्राप्त हुआ और लेन-देन की उचित जांच के बाद आवश्यक विश्लेषण के लिए इस डेटा पर भरोसा किया है।

3.2 आवेदन के गैर-गोपनीय संस्करण का परिचालन

- v. नियम 6(2) के अनुसार, प्राधिकरण ने भारत में विषय देश के दूतावास, विषय देशों में विचाराधीन उत्पाद के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, भारत में विषय वस्तु के ज्ञात आयातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों को, आवेदन में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, शुरुआत अधिसूचना की एक प्रति साझा करके जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया।
- vi. नियम 6(3) के अनुसार, प्राधिकरण ने विषय देशों की सरकार को भारत में उनके दूतावास के माध्यम से, विषय आयात के ज्ञात निर्यातकों और अन्य इच्छुक

गैर-गोपनीय

पार्टियों को जिन्होंने लिखित में आवेदन की प्रति का अनुरोध किया था, आवेदन के गैर-गोपनीय संस्करण की एक प्रति उपलब्ध कराई।

- vii. प्राधिकरण ने भारत में विषय देशों के दूतावास के माध्यम से विषय देशों की सरकार को प्रश्नावली भेजी। विषय देश की सरकार से अनुरोध किया गया था कि वह शुरुआत अधिसूचना और प्रश्नावली को अपने देश में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों को अग्रेषित करे और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का जवाब देने की सलाह दे।
- viii. प्राधिकरण ने नियमों के नियम 6(4) के अनुसार विषय वस्तु के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी, जिसमें आवश्यक जानकारी मांगी गई।

क्र.सं.	संबंधित देश	इच्छुक पक्ष का नाम
1	चीन जनवादी गणराज्य	हेबेई केमाई न्यू मटेरियल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
2	चीन जनवादी गणराज्य	मेसर्स लान्क्सेस केमिकल (चीन) कंपनी लिमिटेड
3	यूरोपीय संघ	ईस्टमैन केमिकल स्विट्ज़रलैंड एलएलसी
4	यूरोपीय संघ	फ्लेक्सिस नीदरलैंड्स बी.वी.

- ix. प्राधिकरण ने भारत में विषय वस्तु के ज्ञात आयातकों/उपयोगकर्ताओं को नियमों के नियम 6(4) के अनुसार आयातक प्रश्नावली भेजी, जिसमें आवश्यक जानकारी मांगी गई।

क्र.सं.	इच्छुक पक्ष का नाम
1	फिनॉरकेम लिमिटेड
2	इंडियन एडिटिव्स लिमिटेड
3	लान्क्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

3.3 विषय देशों के निर्यातकों और भारत से आयातकों/उपयोगकर्ताओं द्वारा भागीदारी

- x. निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने वर्तमान जांच में इच्छुक पार्टियों के रूप में पंजीकरण कराया है:

क्र.सं.	संबंधित देश	इच्छुक पक्ष का नाम
1	चीन	सेनिकस कंपनी लिमिटेड (शानडोंग)

गैर-गोपनीय

2	चीन	सेनिकस कंपनी लिमिटेड (आनहुई)
3	चीन	सेनिकस कंपनी लिमिटेड
4	चीन	लान्क्सेस केमिकल (चीन) कंपनी लिमिटेड
5	यूरोपीय संघ	फ्लेक्सिस नीदरलैंड्स बी.वी.

- xi. विषय जांच की शुरुआत के जवाब में, निम्नलिखित आयातकों/उपयोगकर्ताओं ने जांच में इच्छुक पार्टियों के रूप में पंजीकरण कराया है।

क्र.सं.	इच्छुक पक्ष का नाम
1	लान्क्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
2	फिनॉरकेम लिमिटेड

- xii. प्राधिकरण ने सार्वजनिक हित और व्यापक अर्थव्यवस्था पर शुल्क के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक आर्थिक हित प्रश्नावली (ईआईक्यू) जारी की। ईआईक्यू की एक प्रति विषय देशों के दूतावास, सभी ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और उपयोगकर्ताओं और आवेदक को भेजी गई थी। निम्नलिखित इच्छुक पार्टियों ने प्रस्तुतियां दायर की हैं:

क्र.सं.	इच्छुक पक्ष का नाम
1	नोसील लिमिटेड
2	लान्क्सेस इंडिया प्राइवेट लिमि

- xiii. तय समय-सीमा के अंदर रजिस्टर करने वाले सभी इच्छुक पक्षों की सूची वेबसाइट पर अपलोड की गई थी। रजिस्टर करने वाले सभी इच्छुक पक्षों को निर्देश दिया गया था कि वे मौजूदा कार्यवाही में अपनी सभी सबमिशन (प्रस्तुतियों) का नॉन-कॉन्फिडेंशियल वर्शन (गैर-गोपनीय संस्करण) बाकी सभी इच्छुक पक्षों के साथ साझा करें।

3.4 आगे की प्रक्रियाएं

- xiv. नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकरण ने इच्छुक पार्टियों को 20 जनवरी 2026 को आयोजित सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत करने वाली पार्टियों को निर्देश दिया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों की लिखित प्रस्तुतियां दायर

गैर-गोपनीय

- करें, इसके बाद प्रत्युत्तर प्रस्तुतियां दें। प्राधिकरण की स्वीकृत प्रथा के अनुसार, पार्टियों द्वारा प्रत्युत्तर प्रस्तुतियों के गैर-गोपनीय संस्करण परिचालित किए गए।
- xv. नियम 6(8) के अनुसार, जहां किसी इच्छुक पार्टी ने वर्तमान कार्यवाही के दौरान समय पर आवश्यक जानकारी तक पहुंच से इनकार कर दिया है या अन्यथा प्रदान नहीं किया है, या जांच में महत्वपूर्ण बाधा डाली है, प्राधिकरण ने ऐसी पार्टियों को गैर-सहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष दर्ज किए हैं।
- xvi. नियम 7 के अनुसार, इच्छुक पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई जानकारी की गोपनीयता की पर्याप्तता के संबंध में प्राधिकरण द्वारा जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकरण ने जहां भी उचित था, गोपनीयता दावों को स्वीकार किया है, और ऐसी जानकारी को गोपनीय माना है और अन्य इच्छुक पार्टियों को प्रकट नहीं किया है। जहां भी संभव था, गोपनीय आधार पर जानकारी प्रदान करने वाली पार्टियों को गोपनीय आधार पर दायर जानकारी का गैर-गोपनीय सारांश प्रदान करने का निर्देश दिया गया था।
- xvii. नियम 8 के अनुसार, प्राधिकरण ने वर्तमान कार्यवाही के लिए आवश्यक मानी जाने वाली सीमा तक आवेदक और अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रदान किए गए डेटा का सत्यापन किया। प्राधिकरण ने वर्तमान मामले में अपने विश्लेषण में इच्छुक पार्टियों के सत्यापित डेटा पर विचार किया है।
- xviii. प्राधिकरण ने विचाराधीन उत्पाद के लिए गैर-चोटकारक मूल्य (एनआईपी) की गणना की, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या डंपिंग मार्जिन से कम शुल्क आवेदक को होने वाली चोट को दूर करने के लिए पर्याप्त होंगे। एनआईपी की गणना भारत में घरेलू समान वस्तु के इष्टतम उत्पादन की लागत और उत्पादन और बिक्री की लागत के आधार पर की गई है, जो आवेदक द्वारा प्रदान की गई जानकारी पर आधारित है और आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) को ध्यान में रखते हुए है।
- xix. प्राधिकरण ने कार्यवाही के दौरान इच्छुक पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दों, प्रदान की गई जानकारी और की गई प्रस्तुतियों की जांच की, जहां तक वे साक्ष्य द्वारा समर्थित थीं और वर्तमान प्रयोजन के लिए प्रासंगिक मानी गईं, अंतिम निष्कर्ष देने में।
- xx. विषय देशों से सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी की जांच और सत्यापन भी आवश्यक मानी जाने वाली सीमा तक किया गया और वर्तमान अंतिम निष्कर्षों के प्रयोजन के लिए उसी पर भरोसा किया गया है।
- xxi. जांच के ज़रूरी तथ्यों वाला एक डिस्कलोज़र स्टेटमेंट (जिसके आधार पर अंतिम निष्कर्ष निकाले गए हैं) 9 सितंबर 2026 को संबंधित पक्षों को जारी किया गया

गैर-गोपनीय

था और उनसे इस स्टेटमेंट पर अपनी राय देने को कहा गया था। संबंधित पक्षों द्वारा दी गई जानकारी, उठाए गए तर्क और डिस्कलोजर स्टेटमेंट पर उनसे मिली राय पर इस अंतिम निष्कर्ष की सूचना में विचार किया गया है—बशर्ते वे प्रासंगिक हों, दोहराव वाले न हों और सबूतों के साथ हों।

- xxii. '***' उस जानकारी को दर्शाता है जो किसी पक्ष द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई है और जिसे नियमों के तहत अथॉरिटी द्वारा गोपनीय माना गया है।
- xxiii. प्राधिकरण द्वारा वर्तमान जांच के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = ₹85.43 है, जो जांच अवधि के दौरान आयातित वस्तुओं के मूल्य के रूपांतरण हेतु सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 के अंतर्गत केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा अधिसूचित तथा प्रभावी विनिमय दरों का औसत है। इस अंतिम निष्कर्ष में पूरी अवधि के दौरान यही दर लागू की गई है। स्रोत: <https://foservices.icegate.gov.in/#/services/viewExchangeRate>

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ग.1 अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुतियां

4. अन्य इच्छुक पक्षों ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निम्नलिखित बातें कही हैं।
 - i. आवेदन और शुरुआत अधिसूचना में परिभाषित विचाराधीन उत्पाद "4-एमिनोडाइफेनिलएमीन" तक सीमित है, जिसे "4-एडीपीए" या "4-एन-फेनिलबेंजीन-1,4-डायमीन" के रूप में भी जाना जाता है।
 - ii. जबकि शुरुआत अधिसूचना के पैरा 7 में उल्लेख किया गया है कि घरेलू उद्योग ने कैप्टिव रूप से हस्तांतरित 4-एडीपीए को अलग से "रिपोर्ट" किया है, यह न तो बताता है कि ऐसी कैप्टिव रूप से हस्तांतरित वस्तुएं एडिटिक्स युक्त 4-एडीपीए हैं, और न ही यह बताता है कि एडिटिक्स युक्त 4-एडीपीए वर्तमान जांच के दायरे में शामिल हैं।
 - iii. एडिटिक्स युक्त 4-एडीपीए आवेदन तथा शुरुआत अधिसूचना में परिभाषित उत्पाद दायरे से परे हैं।

ग.2 आवेदक द्वारा प्रस्तुति

5. आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निम्नलिखित बातें कही हैं:

गैर-गोपनीय

- i. विचाराधीन उत्पाद '4-एमिनोडाइफेनिलामाइन' (है, जिसे '4- एडीपीए के नाम से भी जाना जाता है।
- ii. आवेदक द्वारा उत्पादित समान वस्तु और आयातित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है।
- iii. इस प्रस्तुतीकरण के संबंध में कि एडिटिव्स युक्त 4- एडीपीए विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा नहीं है, यह प्रस्तुत किया गया है कि एडिटिव्स युक्त 4- एडीपीए भी मूलतः 4-एडीपीए ही है। आवेदन में उपलब्ध कराई गई जानकारी में एडिटिव्स युक्त तथा बिना एडिटिव्स वाले, दोनों प्रकार के 4- एडीपीए को शामिल किया गया है।
- iv. यदि एडिटिव्स युक्त 4- एडीपीए को विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखा जाता है, तो एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना निष्प्रभावी हो जाएगा, क्योंकि उपभोक्ता अपनी आवश्यकताओं की पूरी मात्रा को एडिटिव्स युक्त 4- एडीपीए की ओर स्थानांतरित कर देंगे।
- v. आवेदक के अनुमानों के अनुसार, लगभग 99% 4- एडीपीए का उपयोग एन-(1,3- डाइमिथाइलब्यूटिल)- एन'-फेनिल-p-फेनिलीनडायमाइन (जिसे '6पीपीडी' या पीएक्स - 13' के नाम से भी जाना जाता है) के उत्पादन में किया जाता है, जबकि लगभग 1% का उपयोग एन-आइसोप्रोपाइल-N'-फेनिल-1,4-फेनिलीनडायमाइन (जिसे 'आईपीपीडी' के नाम से भी जाना जाता है) के उत्पादन में किया जाता है।

ग.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

6. शुरुआत के चरण में, विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:

"4. वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) "4-एमिनोडाइफेनिलामीन" है, जिसे "4-एडीपीए" या "4-एन-फेनिलबेंजीन-1,4-डाइएमीन" के नाम से भी जाना जाता है।

5. 4-एडीपीए एक रबर रसायन मध्यवर्ती है, जो 'रबर रसायनों' के दायरे में आता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से पीएक्स-13 (एन-(1,3-डाइमिथाइलब्यूटाइल)-एन'-फेनिल-पी-फेनिलीनडाइएमीन), जिसे 6पीपीडी के नाम से भी जाना जाता है, के उत्पादन में किया जाता है, और कुछ हद तक आईपीपीडी के उत्पादन में भी किया जाता है।

6. विचाराधीन उत्पाद के लिए निर्धारित मापन इकाई भार है, जिसे मीट्रिक टन (एमटी) में व्यक्त किया जाता है। आवेदन में सभी जानकारी एमटी में प्रस्तुत की गई है।

7. आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि व्यापारिक बिक्री के लिए उत्पादित और बेचे जाने वाले 4-एडीपीए तथा पीएक्स-13 उत्पादन के लिए आंतरिक रूप से अंतरित

गैर-गोपनीय

(कैप्टिवली ट्रांसफर) किए जाने वाले 4-एडीपीए को अलग-अलग रिपोर्ट किया गया है। हालाँकि, वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए इसे एकल उत्पाद के रूप में माना गया है।

8. जांचाधीन उत्पाद सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक 2921 44 10 और 2921 51 90 के अंतर्गत आयात किया जा रहा है। हालाँकि, यह संभव है कि विषय वस्तु अन्य शीर्षकों के अंतर्गत भी आयात की जा सके, और इसलिए, सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक केवल सांकेतिक हैं और उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं हैं।"

7. 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन का कैस रजिस्ट्री सं. 101-54-2 है, इसका आणविक सूत्र $\text{C}_{12}\text{H}_{12}\text{N}_2$ है और इसका मोलर द्रव्यमान लगभग 184.24 ग्राम/मोल है, तथा इसके वाणिज्यिक रूप में यह एक गहरा बैंगनी से बैंगनी-काला ठोस पदार्थ है जो लगभग 75°C पर पिघलता है। इसका वाणिज्यिक उत्पादन एनीलीन के नाइट्रोबेंजीन के साथ संघनन (कंडेन्सेशन) द्वारा किया जाता है, जिसके बाद इस प्रकार बने 4-नाइट्रोडाइफेनिलएमीन का हाइड्रोजनीकरण किया जाता है। यह एक मध्यवर्ती पदार्थ है और इसका उपयोग किसी भी अंतिम अनुप्रयोग में इसी रूप में नहीं किया जाता है। आवेदक के अनुमान के अनुसार, उपभोग किए जाने वाले 4-एडीपीए का लगभग 99% पीएक्स-13 (6पीपीडी) के निर्माण में और लगभग 1% आईपीपीडी के निर्माण में उपयोग किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद के अंतिम उपयोगों के संबंध में हितधारकों की प्रस्तुतियों की जांच अंतिम निष्कर्षों में की जाएगी।"
8. आरंभ अधिसूचना के पैरा 9 के अनुसार, हितधारकों से विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने तथा प्राधिकारी के समक्ष दायर दस्तावेजों की गैर-गोपनीय प्रति के वितरण से 15 दिनों के भीतर, यदि कोई हों, तो उत्पाद नियंत्रण संख्याएँ (पीसीएन) प्रस्तावित करने का अनुरोध किया गया था। आवेदन की गैर-गोपनीय प्रति सभी हितधारकों को पत्र/ई-मेल दिनांक 06.10.2025 के माध्यम से सूचित की गई थी, और इस प्रकार प्रदान की गई अवधि 21.10.2025 को समाप्त हो गई थी। उस अवधि के भीतर प्राप्त एकमात्र टिप्पणियाँ घरेलू उद्योग की थीं, जो पीसीएन पद्धति तक सीमित थीं; किसी भी हितधारक ने उत्पाद के किसी भी प्रकार, ग्रेड या रूप को बाहर करने, या विचाराधीन उत्पाद के दायरे में किसी अन्य संशोधन का अनुरोध नहीं किया।"
9. पीसीएन पद्धति के संबंध में, घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया कि वह 4-एडीपीए का आगे प्रसंस्करण करता है, जिसमें कच्चे माल का उपयोग और रूपांतरण लागत शामिल होती है, इससे पहले कि वह उत्पाद को पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए अपने अन्य संयंत्र में

गैर-गोपनीय

अंतरित करे, जबकि विषय देशों से आयातित उत्पाद बिना ऐसे प्रसंस्करण के आयात किया जाता है। तदनुसार, उसने अनुरोध किया कि प्रसंस्कृत और अप्रसंस्कृत रूपों को अलग-अलग पीसीएन के रूप में माना जाए।"

10. प्राधिकारी ने, संचार सं. एफ. सं. 6/30/2025-डीजीटीआर दिनांक 24.10.2025 के माध्यम से, जो सभी हितधारकों को संबोधित था, दर्ज किया कि घरेलू उद्योग के अतिरिक्त, पीसीएन के निर्माण के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए थे; कि पीयूसी/पीसीएन पर प्राप्त टिप्पणियों की जांच के बाद, प्राधिकारी आरंभ अधिसूचना में अधिसूचित विचाराधीन उत्पाद के समान दायरे को बिना किसी परिवर्तन के अपनाता है; और कि इस मामले में कोई पीसीएन नहीं अपनाए गए हैं। संचार में आगे दर्ज किया गया कि यह विचाराधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्ट करने तक सीमित था, कि यह हितधारकों को किसी विशेष उत्पाद के बहिष्करण के अनुरोध को प्रमाणित करने के लिए प्रासंगिक जानकारी और साक्ष्य प्रदान करने से नहीं रोकता है, और यह कि प्राधिकारी जांच के दौरान सभी हितधारकों द्वारा प्रदान की गई जानकारी और साक्ष्य पर विचार करने के बाद किसी भी सिफारिश किए गए उपाय के लिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे का निर्णय करेगा।"
11. पीसीएन को अपनाने के संबंध में, प्राधिकारी नोट करता है कि जांच अवधि के दौरान विषय आयात 4-एडीपीए के अप्रसंस्कृत रूप में थे, अर्थात् बिना किसी योज्य (एडिटिव) के, जैसा कि महानिदेशालय (सिस्टम्स) से प्राप्त लेन-देन-वार आयात डेटा से प्रमाणित होता है, जिसे विचाराधीन उत्पाद के अतिरिक्त अन्य वस्तुओं को बाहर करने के लिए जांचा और फ़िल्टर किया गया, तथा भाग लेने वाले उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों से भी। किसी भी हितधारक ने इसके विपरीत दावा नहीं किया है। चूंकि आयातित रूप में विचाराधीन उत्पाद समरूप (होमोजीनियस) है, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में उत्पाद नियंत्रण संख्याएँ (पीसीएन) अपनाना आवश्यक नहीं समझा।"
12. ऊपर दर्ज पक्षों की प्रस्तुतियाँ दो भिन्न प्रश्न उठाती हैं, अर्थात्, (क) क्या योज्य (एडिटिव) युक्त 4-एडीपीए को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करना, आरंभ के समय अधिसूचित विवरण से परे उस दायरे का अनुमेय (इम्परमिसिबल) विस्तार माना जाता है; और (ख) क्या योज्य मिलाने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित रूप और बिना योज्य वाला रूप, विचाराधीन उत्पाद के संबंध में एक ही समान लेख (लाइक आर्टिकल) का गठन करते हैं। दोनों प्रश्नों की जांच नीचे अलग-अलग की गई है।"
13. पहले प्रश्न के संबंध में, विचाराधीन उत्पाद का दायरा आरंभ के चरण में ही निर्धारित (क्रिस्टलाइज़) हो जाता है। नियमों का नियम 5 आवश्यक करता है कि जांच केवल एक

विधिवत् प्रमाणित लिखित आवेदन पर ही आरंभ की जाए, जिसमें कथित रूप से डंप किए जाने वाले लेख की पहचान की गई हो, और नियमों का नियम 6(1) आवश्यक करता है कि आरंभ की सार्वजनिक सूचना में, अन्य बातों के साथ-साथ, संबंधित लेख के विवरण के संबंध में पर्याप्त जानकारी हो – जो सामान्य समझौता शुल्क एवं व्यापार 1994 के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन पर समझौते ("एंटी-डंपिंग समझौता") के अनुच्छेद 5.2, 6.1, 6.2 और 12.1.1 के अनुरूप हो। यह आरंभ के समय अधिसूचित विवरण पर ही निर्भर करता है कि उत्पादक, निर्यातक, आयातक और उपयोगकर्ता यह निर्णय लेते हैं कि जांच में भाग लेना है या नहीं और कौन-सी जानकारी दाखिल करनी है। इसलिए प्राधिकारी अधिसूचित दायरे को स्पष्ट कर सकता है, या साक्ष्य के आधार पर किसी विशेष उत्पाद प्रकार को बाहर करके उसे संकुचित कर सकता है, लेकिन आरंभ के समय अधिसूचित विवरण से परे उसका विस्तार नहीं कर सकता, क्योंकि ऐसा विस्तार हितधारकों को नियमों और एंटी-डंपिंग समझौते द्वारा परिकल्पित सूचना और अवसर से वंचित कर देगा।"

14. साथ ही, न तो एंटी-डंपिंग समझौता और न ही नियम यह निर्धारित करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद को किस प्रकार चित्रित (डिलिनेट) किया जाना है, या यह आवश्यक करते हैं कि वह आंतरिक रूप से समरूप (होमोजीनियस) हो। एंटी-डंपिंग समझौते का अनुच्छेद 2.6 "समान उत्पाद" को विचाराधीन उत्पाद के संदर्भ में परिभाषित करता है, लेकिन स्वयं विचाराधीन उत्पाद के चित्रण को नियंत्रित नहीं करता है। यूरोपीय समुदाय – नॉर्वे से पालित सैल्मन पर एंटी-डंपिंग उपाय (डब्ल्यूटी/डीएस337/आर) में पैरा 7.48 में टिप्पणी की कि "अनुच्छेद 2.1 के पाठ में इस बारे में कोई भी मार्गदर्शन नहीं है कि उस उत्पाद के मापदंड क्या होने चाहिए", और पैरा 7.68 में अभिनिर्धारित किया कि अनुच्छेद 2.1 और 2.6 किसी जांच प्राधिकारी से यह आवश्यक नहीं करते कि वह विचाराधीन उत्पाद को इस प्रकार परिभाषित करे कि उसमें केवल ऐसे उत्पाद शामिल हों जो एक-दूसरे के "समान" हों। इसलिए एक ही विचाराधीन उत्पाद में उसी लेख के एक से अधिक रूप शामिल हो सकते हैं, और निर्णायक प्रश्न यह है कि विवादित रूप आरंभ के समय अधिसूचित विवरण को पूरा करता है या नहीं।"
15. उस परीक्षण को लागू करने पर, यह घरेलू उद्योग का ही रिकॉर्ड पर कथन है, जो पीसीएन पद्धति के संदर्भ में दिया गया था, कि आंतरिक अंतरण से पहले किया जाने वाला आगे का प्रसंस्करण एक योज्य (एडिटिव) मिलाने और एक रूपांतरण लागत वहन करने में शामिल है। ऐसा मिलाना उत्पाद की रासायनिक पहचान, संरचना या मूल स्वरूप को परिवर्तित नहीं करता है, जो 4-एमिनोडाइफेनिलामीन ही रहता है, और उत्पाद समान अंतिम उपयोग की पूर्ति करता है। किसी भी हितधारक ने रिकॉर्ड पर कोई तकनीकी या

गैर-गोपनीय

वाणिज्यिक साक्ष्य नहीं रखा है जो यह दर्शाता हो कि योज्य युक्त 4-एडीपीए को एक भिन्न वाणिज्यिक लेख के रूप में खरीदा, बेचा या अन्यथा व्यवहार किया जाता है, या कि उसमें 4-एडीपीए से भिन्न विशेषताएँ या उपयोग हैं। प्राधिकारी स्पष्ट करता है कि यह निर्धारण उत्पाद के विवरण पर आधारित है, न कि उसके सीमा शुल्क वर्गीकरण पर, सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक केवल सांकेतिक होने के कारण। प्राधिकारी तदनुसार अभिनिर्धारित करता है कि 4-एडीपीए, चाहे उसमें ऐसे योज्य हों या न हों जो 4-एडीपीए के रूप में उसके मूल स्वरूप को परिवर्तित नहीं करते, आरंभ के समय अधिसूचित विचाराधीन उत्पाद के विवरण को पूरा करता है, और उसका शामिल किया जाना मूल रूप से अधिसूचित दायरे का स्पष्टीकरण है, न कि उसका विस्तार।"

16. इसके अलावा, हितधारकों को आरंभ के चरण में ही सूचित कर दिया गया था कि आंतरिक रूप से अंतरित (कैप्टिवली ट्रांसफर) किया जाने वाला 4-एडीपीए विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा है। आरंभ अधिसूचना का पैरा 7 इस आशय से दर्ज करता है कि, हालाँकि आवेदक द्वारा व्यापारिक और आंतरिक रूप से अंतरित मात्राएँ अलग-अलग रिपोर्ट की गई थीं, "वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए इसे एकल उत्पाद के रूप में माना गया है"। इस प्रकार अधिसूचित दायरा केवल व्यापारिक रूप तक सीमित नहीं था। डंपिंग और चोट के निर्धारण वास्तव में आयातित उत्पाद और उससे संबंधित घरेलू समान लेख के आधार पर किए गए हैं, और ऊपर दर्ज स्पष्टीकरण से कोई भी उत्पादक, निर्यातक या आयातक प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं होता है। आरंभ अधिसूचना के पैरा 9 के तहत निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद और बिना समर्थक साक्ष्य के यह आपत्ति उठाई गई थी, फिर भी प्राधिकारी ने दिनांक 24.10.2025 के संचार द्वारा सुरक्षित स्वतंत्रता के अनुसार इसकी योग्यता के आधार पर जांच की है।"
17. दूसरे प्रश्न के संबंध में, घरेलू उद्योग एक ही लेख का निर्माण करता है, अर्थात् 4-एडीपीए, जिसका एक भाग बिना योज्य के व्यापारिक बाजार में बेचा जाता है और एक भाग योज्य मिलाने के बाद पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए आंतरिक रूप से अंतरित किया जाता है। ऊपर पैरा 15 में दर्ज कारणों से, वह आगे का प्रसंस्करण किसी भिन्न लेख का अस्तित्व नहीं लाता है। प्राधिकारी तदनुसार अभिनिर्धारित करता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित 4-एडीपीए, चाहे उसमें योज्य हों या न हों और चाहे वह व्यापारिक बाजार में बेचा जाए या आंतरिक रूप से अंतरित किया जाए, नियमों के नियम 2(d) के अर्थ के भीतर विचाराधीन उत्पाद के संबंध में एक ही समान लेख (लाइक आर्टिकल) का गठन करता है, और वर्तमान जांच के प्रयोजनों के लिए एक एकल घरेलू समान लेख बनाता है। तदनुसार, व्यापारिक और आंतरिक मात्राएँ मिलकर समान लेख के उत्पादन और बिक्री का गठन करती हैं, और घरेलू उद्योग के मात्रा मापदंड – उत्पादन, क्षमता

गैर-गोपनीय

उपयोग, मांग और बाजार हिस्सेदारी – की जांच इस अंतिम निष्कर्ष में उसी आधार पर की गई है। मूल्य और लाभप्रदता मापदंड – शुद्ध बिक्री प्राप्ति, बिक्री लागत, लाभ, विनियोजित पूंजी पर प्रतिफल और विषय आयातों का मूल्य प्रभाव – की जांच घरेलू उद्योग की व्यापारिक बिक्री के संदर्भ में की गई है, क्योंकि आंतरिक अंतरण बाजार मूल्यों पर बिक्री नहीं हैं और विषय आयातों के भूमि मूल्य के साथ तुलना करने योग्य शुद्ध बिक्री प्राप्ति नहीं देते हैं। घरेलू उद्योग की आंतरिक खपत में गिरावट के प्रभाव पर नीचे गैर-आरोपण विश्लेषण (नॉन-एट्रिब्यूशन एनालिसिस) में अलग से विचार किया गया है।"

18. घरेलू उद्योग का पृथक उत्पाद नियंत्रण संख्याओं (पीसीएन) के लिए अनुरोध प्रसंस्कृत और अप्रसंस्कृत रूपों के बीच लागत में अंतर पर आधारित था। प्राधिकारी नोट करता है कि विषय आयात अप्रसंस्कृत रूप में हैं, और मूल्य-प्रभाव तुलना के लिए अपनाई गई घरेलू उद्योग की शुद्ध बिक्री प्राप्ति और बिक्री लागत उसकी व्यापारिक बिक्री की है, जो समान रूप से अप्रसंस्कृत रूप की है; इसलिए तुलना उत्पाद के उसी रूप और व्यापार के उसी स्तर के संबंध में की गई है। गैर-हानिकारक मूल्य (नॉन-इंज्यूरियस प्राइस) का निर्धारण करते समय, योज्य की लागत और आंतरिक अंतरण से पहले किए गए आगे के प्रसंस्करण की रूपांतरण लागत को ध्यान में नहीं रखा गया है। गैर-हानिकारक मूल्य के निर्धारण की पद्धति नीचे दी गई है।"
19. प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग की इस प्रस्तुति पर भी विचार किया है कि एडिटिव्स युक्त 4-एडीपीए को बाहर रखने से कोई भी एंटी-डंपिंग शुल्क निष्फल हो जाएगा। ऊपर दर्ज निष्कर्ष इस खोज पर आधारित है कि एडिटिव्स युक्त 4-एडीपीए शुरुआत में अधिसूचित विचाराधीन उत्पाद के विवरण को पूरा करता है, न कि उस आशंका पर, जिस पर प्राधिकरण कोई विचार व्यक्त करना अनावश्यक मानता है। हालांकि, यह स्पष्ट किया जाता है कि एडिटिव्स युक्त 4-एडीपीए के आयात जो 4-एडीपीए के रूप में इसके आवश्यक चरित्र को नहीं बदलते हैं, विचाराधीन उत्पाद के दायरे और वर्तमान जांच में सिफारिश किए जा सकने वाले किसी भी उपाय के अंतर्गत आते हैं। यह आगे, पूर्वाग्रह के बिना, देखा जाता है कि एंटी-डंपिंग शुल्क से बचने के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क के अधीन किसी लेख के विवरण, नाम या संरचना में कोई भी परिवर्तन, किसी भी स्थिति में, नियमों के नियम 25 से 28 के तहत कार्यवाही के लिए उत्तरदायी है।
20. उपरोक्त के आलोक में, प्राधिकरण शुरुआत के चरण में अधिसूचित विचाराधीन उत्पाद के दायरे की पुष्टि करता है, और मानता है कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद है:

गैर-गोपनीय

"4-एमिनोडाइफेनिलएमीन", जिसे "4-एडीपीए" या "4-एन-फेनिलबेंजीन-1,4-डायमीन" के रूप में भी जाना जाता है, चाहे उसमें एडिटिव्स हों या न हों जो 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन के रूप में इसके आवश्यक चरित्र को नहीं बदलते हैं।

21. विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची के सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक 2921 44 10 और 2921 51 90 के तहत आयात किया जाता है। यह संभव है कि विषय वस्तुएं अन्य शीर्षकों के तहत भी आयात की जा सकती हैं। इसलिए सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।
22. नियमों का नियम 2(d) "समान वस्तु" को निम्नानुसार परिभाषित करता है:
"समान वस्तु" का अर्थ है एक ऐसा लेख जो भारत में डंप किए जाने के लिए जांचाधीन लेख के सभी मामलों में समान या एक जैसा है या ऐसे लेख के अभाव में, एक अन्य लेख जो सभी मामलों में समान न होते हुए भी, जांचाधीन लेखों की निकटता से मिलती-जुलती विशेषताएं रखता है।
23. विषय देशों से निर्यात किए गए विचाराधीन उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित लेख के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, निर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, मूल्य निर्धारण, वितरण और विपणन, और टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं; वे तकनीकी और व्यावसायिक रूप से विनिमेय हैं और उपभोक्ताओं द्वारा विनिमेय रूप से उपयोग किए जा सकते हैं। किसी भी इच्छुक पार्टी ने अन्यथा दावा नहीं किया है। इसलिए प्राधिकरण मानता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित लेख, चाहे व्यापारी बाजार में बेचा जाए या कैप्टिव रूप से हस्तांतरित किया जाए, नियमों के नियम 2(d) के अर्थ में विषय देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद के लिए समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग का दायरा और स्थिति

घ.1. विरोधी इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुति

24. विरोधी इच्छुक पार्टियों ने घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं।
 - i. किसी अन्य उत्पादक द्वारा नया निवेश और क्षमता विस्तार भौतिक चोट के किसी भी दावे के साथ असंगत है। ये घटनाक्रम दर्शाते हैं कि बाजार व्यवहार्य और प्रतिस्पर्धी बना हुआ है।

गैर-गोपनीय

घ.2. आवेदक द्वारा प्रस्तुति

25. आवेदक ने घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:
- आवेदक भारत में विचाराधीन उत्पाद, 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन (4-एडीपीए) का एकमात्र उत्पादक है।
 - आवेदक के अलावा, समान वस्तु का एक अन्य उत्पादक है। हालांकि, आवेदक की समझ है कि उत्पादक ने जांच की अवधि के बाद उत्पादन शुरू किया है।
 - आवेदक ने जांच की अवधि में किसी भी विषय देश से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है।
 - आवेदक विषय देशों में किसी भी निर्यातक या भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातक से संबंधित नहीं है।

घ.3. प्राधिकरण द्वारा जांच

26. नियमों का नियम 2(b) 'घरेलू उद्योग' शब्द को निम्नानुसार परिभाषित करता है:
- "(b) 'घरेलू उद्योग' का अर्थ है समान वस्तु के निर्माण में लगे घरेलू उत्पादक और उससे जुड़ी कोई भी गतिविधि या वे जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है, सिवाय जब ऐसे उत्पादक कथित डंप किए गए वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित हैं या स्वयं उसके आयातक हैं, ऐसी स्थिति में 'घरेलू उद्योग' शब्द का अर्थ शेष उत्पादकों को संदर्भित करने के रूप में समझा जा सकता है"।*
27. आवेदन नोसिल लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। रिकॉर्ड पर जानकारी के अनुसार, भारत में विषय वस्तु का एक अन्य उत्पादक है, अर्थात् फिनोरकेम लिमिटेड। प्राधिकरण ने इस जांच की शुरुआत से पहले फिनोरकेम लिमिटेड को संचार भेजा था। फिनोरकेम लिमिटेड ने जवाब दिया और आवेदक द्वारा दायर एंटी-डंपिंग आवेदन को अपना समर्थन व्यक्त किया, यह सूचित करते हुए कि उन्होंने मार्च 2025 में पनोली, अंकलेश्वर, जिला भरुच, गुजरात में 12,240 एमटीपीए की स्थापित क्षमता के साथ 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन (4-एडीपीए) के लिए एक नई विनिर्माण सुविधा स्थापित की है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उत्पादक चोट अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं कर रहा था, जिसे उत्पादक ने विवादित नहीं किया है।
28. प्राधिकरण ने डीजी सिस्टम लेन-देन-वार डेटा की जांच की है, और यह देखा गया है कि नोसिल लिमिटेड ने जांच की अवधि में विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है। यह

गैर-गोपनीय

भी देखा गया है कि नोसिल लिमिटेड विषय देशों से विचाराधीन उत्पाद के किसी भी निर्यातक या भारत में किसी भी आयातक से संबंधित नहीं है।

29. रिकॉर्ड पर जानकारी के आधार पर, प्राधिकरण ने जांच की अवधि के लिए भारतीय उत्पादन और भारतीय उत्पादन में नोसिल लिमिटेड की हिस्सेदारी निम्नानुसार निर्धारित की है:

क्र. सं.	विवरण	उत्पादन	हिस्सा (%)
1	NOCIL लिमिटेड का उत्पादन	***	100%
2	अन्य भारतीय उत्पादकों का उत्पादन	-	0%
3	कुल/सकल भारतीय उत्पादन	***	100%

30. प्राधिकरण नोट करता है कि नोसिल लिमिटेड का उत्पादन सकल भारतीय उत्पादन में 100% हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करता है।
31. रिकॉर्ड पर उपलब्ध जानकारी को ध्यान में रखते हुए, यह देखा गया है कि नोसिल लिमिटेड नियमों के संदर्भ में भारतीय उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है। नोसिल लिमिटेड नियम 2(b) के अर्थ में एक पात्र घरेलू उद्योग है और नियमों के नियम 5(3) के संदर्भ में स्थिति के मानदंड को पूरा करता है। इसलिए, प्राधिकरण मानता है कि नोसिल लिमिटेड नियमों के अर्थ में एक घरेलू उद्योग का गठन करता है।

ड. गोपनीयता और विविध प्रस्तुतियां

ड.1 विरोधी इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुति

32. विरोधी इच्छुक पार्टियों ने निम्नलिखित विविध प्रस्तुतियां की हैं:
- आवेदक के दावों के विपरीत, विषय देश के उत्पादकों द्वारा अपने उत्तर में किए गए सभी गोपनीयता संबंधी दावे एंटी-डंपिंग नियमों के नियम 7 तथा प्राधिकरण द्वारा जारी 27 सितंबर 2018 के ट्रेड नोटिस संख्या 10/2018 के अनुरूप हैं। ये दावे केवल स्वामित्वाधीन व्यावसायिक जानकारी के संबंध में किए गए हैं, जिसका प्रकटीकरण महत्वपूर्ण वाणिज्यिक क्षति का कारण बन सकता है तथा कंपनी की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।
 - आवेदक ट्रेड नोटिस संख्या 10/2018 में निर्धारित गोपनीयता संबंधी आवश्यकताओं का पालन करने में विफल रहा है, क्योंकि उसने गैर-हानिकारक कीमतों की सीमा का खुलासा नहीं किया है।

गैर-गोपनीय

- iii. आयात डेटा प्राधिकरण द्वारा उसी प्रारूप और तरीके से प्रदान किया जाना चाहिए जिसमें इसे इस जांच के प्रयोजन के लिए रिकॉर्ड पर लिया गया था, जो माननीय सीईएसटीएटी के एक्ज़ोटिक डेकोर प्राइवेट लिमिटेड बनाम नामित प्राधिकरण (एंटी-डंपिंग अपील संख्या 52233 ऑफ 2018) दिनांक 12 जून 2020 के फैसले के अनुरूप है।
- iv. जब आवेदक ने पहली बार 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाए जाने की मांग करते हुए प्राधिकरण से संपर्क किया था, तब आवेदन को सही एवं स्थापित आधार पर अस्वीकार कर दिया गया था, क्योंकि आवेदक अपने संपूर्ण उत्पादन का कैप्टिव उपभोग कर रहा था और खुले बाजार में 4- एडीपीए की बिक्री नहीं कर रहा था।
- v. आवेदक द्वारा निजी स्रोत से प्राप्त किए गए आंकड़े प्रामाणिक एवं विश्वसनीय नहीं हैं।

ड.2 आवेदक द्वारा प्रस्तुति

33. आवेदक ने निम्नलिखित विविध प्रस्तुतियां की हैं:

- i. सेनिकस कंपनी लिमिटेड, सेनिकस कंपनी लिमिटेड अनहुई और सेनिकस कंपनी लिमिटेड शेडोंग द्वारा उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादित उत्पादों की सूची, संबंधित कंपनियों की सूची और कंपनियों द्वारा उपयोग की जाने वाली वित्तीय और लेखा प्रणाली के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है। संबंधित पार्टियों का खुलासा व्यापार नोटिस के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ii. लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने, व्यापार नोटिस संख्या 10/2018 के तहत आवश्यकता के विपरीत, 4-एडीपीए की खरीद मात्रा और मूल्य, कुल बिक्री कारोबार (मात्रा और मूल्य), बेचे गए उत्पादों की सूची, विचाराधीन उत्पाद का उपयोग करके निर्मित उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया और प्रवाह चार्ट, 4-एडीपीए को शामिल करने वाले प्रत्येक उत्पाद के लिए कच्चे माल की लागत, डाउनस्ट्रीम भारतीय बाजार में हिस्सेदारी, जिन देशों में 4-एडीपीए को शामिल करके निर्मित उत्पाद बेचे जाते हैं और उनमें अनुमानित बाजार हिस्सेदारी, और 4-एडीपीए के उपयोग का विवरण को गोपनीय दावा किया है।
- iii. सेनिकस कंपनी लिमिटेड, सेनिकस कंपनी लिमिटेड अनहुई और सेनिकस कंपनी लिमिटेड शेडोंग ने, व्यापार नोटिस संख्या 10/2018 के तहत आवश्यकता के विपरीत, पीयूसी के उत्पादन/बिक्री/खरीद में शामिल संबंधित पार्टियों के विवरण और पीयूसी के निर्माण में शामिल मुख्य कच्चे माल के विवरण को गोपनीय दावा किया है।
- iv. अन्य इच्छुक पार्टियों ने आरोप लगाया कि घरेलू उद्योग व्यापार नोटिस 10/2018 का पालन करने में विफल रहा, हालांकि, घरेलू उद्योग ने आवेदन के गैर-गोपनीय

गैर-गोपनीय

संस्करण में एनआईपी (सीमा में) और शुद्ध बिक्री प्राप्ति (अनुक्रमित/प्रवृत्ति रूप में) सहित सभी प्रासंगिक जानकारी का खुलासा किया है।

- v. वर्तमान जांच और 4-एडीपीए पर पहले दायर आवेदन के तथ्य पूरी तरह से भिन्न हैं। पिछले आवेदन के लिए, आवेदक द्वारा घरेलू बिक्री की अनुपस्थिति और मांग-आपूर्ति अंतराल की उपस्थिति में मामला शुरू नहीं किया गया था। इसके विपरीत, वर्तमान जांच में इनमें से कोई भी परिस्थिति मौजूद नहीं है।
- vi. इच्छुक पार्टी द्वारा यह दर्शाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं दिया गया है कि आवेदक का आयात डेटा अविश्वसनीय कैसे है। चूंकि डीजीसीआई एंड एस से लेन-देन-वार डेटा आवेदक के पास उपलब्ध नहीं था, आवेदक ने तीसरे पक्ष की जानकारी के अनुसार आयात डेटा पर विचार किया था, जिसे आवेदक खुलासा करने के लिए अधिकृत नहीं है।

ड.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

- 34. प्राधिकरण ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न पार्टियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी का गैर-गोपनीय संस्करण अन्य सभी इच्छुक पार्टियों को उपलब्ध कराया। इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत जानकारी की गोपनीयता के संबंध में, नियमों का नियम 7 निम्नानुसार प्रदान करता है:

"7. गोपनीय जानकारी:

- (1) उप-नियम (2), (3) और (7) में निहित किसी भी बात के होते हुए भी, नियम 6, नियम 12 के उप-नियम (2), नियम 15 के उप-नियम (4) और नियम 17 के उप-नियम (4), नियम 5 के उप-नियम (1) के तहत प्राप्त आवेदनों की प्रतियां, या जांच के दौरान किसी भी पार्टी द्वारा नामित प्राधिकरण को गोपनीय आधार पर प्रदान की गई कोई अन्य जानकारी, नामित प्राधिकरण के इसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर, उसके द्वारा गोपनीय मानी जाएगी और ऐसी जानकारी ऐसी जानकारी प्रदान करने वाली पार्टी की विशिष्ट अनुमति के बिना किसी अन्य पार्टी को प्रकट नहीं की जाएगी।
- (2) नामित प्राधिकरण गोपनीय आधार पर जानकारी प्रदान करने वाली इच्छुक पार्टियों से उसका गैर-गोपनीय सारांश प्रदान करने की आवश्यकता कर सकता है और यदि, ऐसी जानकारी प्रदान करने वाली पार्टी की राय में, ऐसी जानकारी सारांश के लिए उत्तरदायी नहीं है, तो ऐसी पार्टी नामित प्राधिकरण को यह कारण बताते हुए एक बयान प्रस्तुत कर सकती है कि सारांश क्यों संभव नहीं है।
- (3) उप-नियम (2) में निहित किसी भी बात के होते हुए भी, यदि नामित प्राधिकरण संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध उचित नहीं है या जानकारी का आपूर्तिकर्ता

गैर-गोपनीय

या तो जानकारी को सार्वजनिक करने के इच्छुक नहीं हैं या सामान्यीकृत या सारांश रूप में इसके खुलासे को अधिकृत करने के इच्छुक नहीं हैं, तो वह ऐसी जानकारी को अनदेखा कर सकता है।"

35. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग और इच्छुक पार्टियों ने उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, बाजार हिस्सेदारी, स्टॉक, विक्रय मूल्य, लागत, मुनाफे, नकद मुनाफे, निवेश पर प्रतिफल, गैर-चोटकारक मूल्य, उत्पादन लागत संबंधी जानकारी, सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य, डंपिंग मार्जिन, लैंडेड कीमत, चोट मार्जिन, मूल्य समायोजन, लाभ संबंधी जानकारी, बिक्री चैनल, बिक्री और खरीद दस्तावेज, ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के नाम, आदि जैसी जानकारी पर गोपनीयता का दावा किया है। यह भी देखा गया है कि जहां भी जानकारी चोट अवधि के लिए है, वही अनुक्रमित आधार पर प्रदान की गई है। जहां भी जानकारी एकल वर्ष से संबंधित है, वही सीमा में प्रकट की गई है, यदि ऐसा खुलासा जानकारी की गोपनीयता से समझौता नहीं करता है। इच्छुक पार्टियों ने विभिन्न सहायक दस्तावेजों और जानकारी में गोपनीयता का दावा किया है, जहां भी ऐसी जानकारी उनके द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं की गई है। उन मामलों में जहां किसी इच्छुक पार्टी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरण सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं किए हैं, वही गोपनीय दावा किया गया है। जहां भी इच्छुक पार्टियों ने किसी दस्तावेज को गोपनीय दावा किया है, यह नोट किया गया है कि इन इच्छुक पार्टियों ने दावा किया है कि ये दस्तावेज सारांश के लिए उत्तरदायी नहीं हैं और उन्होंने कारण दिए हैं कि सारांश क्यों संभव नहीं है। इच्छुक पार्टियों ने दावा किया कि घरेलू उद्योग ने गैर-चोटकारक मूल्य की सीमा का खुलासा नहीं किया। यह नोट किया गया है कि वही जानकारी बाद में प्रकट की गई थी।
36. प्राधिकरण ने सभी जांचों में घरेलू उद्योगों, विदेशी उत्पादकों और अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रदान की गई ऐसी जानकारी और दस्तावेजों पर इच्छुक पार्टियों को गोपनीयता का दावा करने की अनुमति लगातार दी है। प्राधिकरण नोट करता है कि सभी इच्छुक पार्टियों ने अपनी व्यवसाय-संबंधी संवेदनशील जानकारी को गोपनीय दावा किया है। संतुष्ट होने पर, प्राधिकरण ने जहां भी उचित था, गोपनीयता दावों को स्वीकार किया है, और ऐसी जानकारी को गोपनीय माना है और अन्य इच्छुक पार्टियों को प्रकट नहीं किया है।
37. विरोधी इच्छुक पार्टियों के इस तर्क के संबंध में कि विचाराधीन उत्पाद से संबंधित एक पिछला आवेदन प्राधिकरण द्वारा इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि घरेलू उद्योग अपने पूरे उत्पादन का कैप्टिव रूप से उपभोग कर रहा था और खुले बाजार में

गैर-गोपनीय

4-एडीपीए नहीं बेच रहा था, प्राधिकरण नोट करता है कि ऐसा अस्वीकरण वर्तमान आवेदन के लिए प्रासंगिक नहीं है। वर्तमान जांच में, घरेलू उद्योग ने पूरी चोट अवधि में घरेलू बाजार में बिक्री की है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की क्षमता देश में मांग से काफी अधिक है। प्राधिकरण नोट करता है कि वर्तमान जांच घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत विधिवत पुष्ट लिखित आवेदन के आधार पर शुरू की गई थी। प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर, विषय देशों से उत्पन्न या निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की डंपिंग, ऐसी डंपिंग के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को होने वाली चोट, और डंप किए गए आयात और घरेलू उद्योग को होने वाली चोट के बीच कारण संबंध के संबंध में संतुष्टि प्राप्त की। तदनुसार, अधिनियम की धारा 9A के साथ पठित नियमों के नियम 5 के अनुसार जांच शुरू की गई थी।

38. आवेदक या डीजीटीआर द्वारा लेन-देन-वार डेटा के खुलासे के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि आवेदक के लिए निर्धारित प्रासंगिक जानकारी आयात की मात्रा और मूल्य है। आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि उसने आयात की मात्रा और मूल्य का पता लगाने के लिए बाजार सूचना डेटा पर भरोसा किया है। आयात मात्रा और मूल्य अन्य इच्छुक पार्टियों को प्रकट किए गए हैं। आवेदक ने अपने डेटा को गोपनीय दावा किया। किसी भी मामले में, प्राधिकरण ने आयात की कुल मात्रा और मूल्य की गणना के लिए डीजी सिस्टम्स डेटा पर भरोसा किया है। चूंकि प्राधिकरण द्वारा प्राप्त लेन-देन-वार डेटा सार्वजनिक डोमेन में नहीं है और भारत सरकार द्वारा इसे आम जनता के साथ साझा नहीं किया जाता है, इसे किसी भी इच्छुक पार्टी, जिसमें घरेलू उद्योग भी शामिल है, को प्रकट नहीं किया गया है। डीजी सिस्टम्स डेटा से विचार की गई आयात मात्रा प्रकटीकरण विवरण में इच्छुक पार्टियों को प्रकट की गई है। यह आगे नोट किया गया है कि माननीय सीईएसटीएटी का एक्ज़ोटिक डेकोर प्राइवेट लिमिटेड और अन्य बनाम नामित प्राधिकरण, एंटी-डंपिंग और संबद्ध कर्तव्यों के महानिदेशालय में निर्णय डीजी सिस्टम्स डेटा के अनुसार आयात डेटा के खुलासे पर लागू नहीं होता है, जिसे प्राधिकरण प्रकट करने के लिए अधिकृत नहीं है।

गैर-गोपनीय

च. डंपिंग का आकलन और सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और डंपिंग मार्जिन का निर्धारण

च.1 अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुति

39. निम्नलिखित प्रस्तुतियां डंपिंग के आकलन और सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और डंपिंग मार्जिन के निर्धारण के संबंध में की गई हैं।
- i. चीन को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया जाना चाहिए। तदनुसार सामान्य मूल्य की गणना डब्ल्यूटीओ एंटी-डंपिंग समझौते के अनुच्छेद 2 के अनुसार वास्तविक चीनी डेटा का उपयोग करके की जानी चाहिए। इसलिए प्राधिकरण को इस जांच में सरोगेट देश डेटा का उपयोग करने से बचना चाहिए।
 - ii. संबंधित-पार्टी सोर्सिंग और हस्तांतरण मूल्य निर्धारण व्यवस्थाएं सामान्य व्यावसायिक प्रथाएं हैं और डंपिंग विश्लेषण पूरी तरह से सत्यापित निर्यात मूल्यों और लेनदेन डेटा पर आधारित होना चाहिए। तदनुसार, उक्त आरोपों को अनदेखा करने का अनुरोध किया गया था।

च.2 आवेदक द्वारा प्रस्तुति

40. आवेदक ने डंपिंग के आकलन और सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और डंपिंग मार्जिन के निर्धारण के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:
- i. चीन पीआर को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए।
 - ii. यह तर्क दिया जाता है कि चीन पीआर के प्रवेश प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(a)(ii) का लागू होना बंद हो गया है और इसलिए, वर्तमान जांच में इस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। हालांकि, अनुच्छेद 15(a)(i) लागू बना हुआ है और चीन पीआर के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित करते समय इस पर विधिवत विचार किया जाना चाहिए।
 - iii. चीन पीआर के प्रवेश प्रोटोकॉल के 15(a)(i) के तहत दायित्व के लिए निर्यातक द्वारा नियमों के अनुलग्नक I के पैरा 8 में निर्धारित मानदंड को पूरा करना आवश्यक है।
 - iv. चूंकि चीनी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था उपचार के हकदार नहीं हैं, नामित प्राधिकरण को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नियमों के अनुलग्नक I के पैरा 7 का पालन करना चाहिए।
 - v. यूरोपीय संघ से किसी भी उत्पादक/निर्यातक की भागीदारी के अभाव में, यूरोपीय संघ के लिए सामान्य मूल्य आवेदक द्वारा प्रस्तावित लाभ के लिए उचित अतिरिक्त के साथ 4-एडीपीए की उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित किया जा सकता है।

गैर-गोपनीय

च.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

41. प्राधिकरण ने विषय देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी, उन्हें प्राधिकरण द्वारा निर्धारित प्रारूप और तरीके में जानकारी प्रदान करने की सलाह दी। विषय देशों से निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों, उनके संबंधित निर्यातक और भारत में आयातक के साथ, निर्धारित प्रश्नावली प्रतिक्रियाएं दायर की हैं।

क्र.सं.	इच्छुक पक्ष का नाम
क.	सेनिकस कंपनी लिमिटेड (शानडोंग)
ख.	सेनिकस कंपनी लिमिटेड (आनहूई)
ग.	सेनिकस कंपनी लिमिटेड
घ.	लान्क्सेस केमिकल (चीन) कंपनी लिमिटेड

42. फ्लेक्सिस नीदरलैंड्स बी.वी. यूरोपीय संघ में विषय वस्तु का उत्पादक है। प्राधिकरण नोट करता है कि उत्पादक/निर्यातक ने आवश्यक जानकारी प्रदान करने वाली निर्यातक प्रश्नावली प्रतिक्रिया प्रस्तुत नहीं की है। यूरोपीय संघ से उत्पादक ने वर्तमान जांच में पंजीकरण कराया था लेकिन कोई निर्यातक प्रश्नावली प्रतिक्रिया साझा नहीं की है। इच्छुक पार्टी ने मौखिक सुनवाई के दौरान कोई प्रस्तुति नहीं दी। इसलिए यह माना जाना चाहिए कि यूरोपीय संघ से कोई भागीदारी नहीं है।
43. विषय देशों के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य नीचे निर्धारित किए गए हैं,

क. चीन पीआर से सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य

44. धारा 9A (1) (c) के तहत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- तुलनीय मूल्य, सामान्य व्यापार के दौरान, समान वस्तु के लिए, जब निर्यात देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए होता है, जैसा कि उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाता है, या
- जब निर्यात देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की बिक्री नहीं होती है, या जब विशेष बाजार स्थिति या निर्यात देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्री की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्री उचित तुलना की अनुमति नहीं देती है, तो सामान्य मूल्य या तो होगा: (क) निर्यात देश या क्षेत्र से या उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात की जाने वाली समान वस्तु का तुलनीय प्रतिनिधि

गैर-गोपनीय

मूल्य, जैसा कि उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाता है; या मूल देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत के साथ-साथ प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत, और लाभ के लिए उचित अतिरिक्त, जैसा कि उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाता है; ख) बशर्ते कि मूल देश के अलावा किसी अन्य देश से वस्तु के आयात के मामले में और जहां वस्तु निर्यात देश के माध्यम से केवल ट्रांसशिप किया गया है या ऐसी वस्तु निर्यात देश में उत्पादित नहीं है या निर्यात देश में कोई तुलनीय मूल्य नहीं है, सामान्य मूल्य मूल देश में इसकी कीमत के संदर्भ में निर्धारित किया जाएगा।

- सामान्य मान

45. डब्ल्यूटीओ में चीन के प्रवेश प्रोटोकॉल का अनुच्छेद 15 निम्नानुसार प्रदान करता है:

गैट 1994 का अनुच्छेद VI, गैट 1994 के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन पर समझौता ("एंटी-डंपिंग समझौता") और एससीएम समझौता, एक डब्ल्यूटीओ सदस्य में चीनी मूल के आयात से जुड़ी कार्यवाही में निम्नलिखित के अनुरूप लागू होंगे:

(क) GATT 1994 के अनुच्छेद VI और एंटी-डंपिंग समझौते के तहत मूल्य तुलनीयता निर्धारित करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीनी कीमतों या लागतों का उपयोग करेगा या निम्नलिखित नियमों के आधार पर चीन में घरेलू कीमतों या लागतों के साथ सख्त तुलना पर आधारित नहीं होने वाली पद्धति का उपयोग करेगा: *

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के निर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां प्रबल हैं, तो आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य तुलनीयता निर्धारित करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीनी कीमतों या लागतों का उपयोग करेगा;

(ii) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य ऐसी पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों या लागतों के साथ सख्त तुलना पर आधारित नहीं है यदि जांचाधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह नहीं दिखा सकते कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के निर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां प्रबल हैं।*

(ख) एससीएम समझौते के भाग II, III और V के तहत कार्यवाही में, अनुच्छेद 14(a), 14(b), 14(c) और 14(d) में वर्णित सब्सिडी को संबोधित करते समय,

गैर-गोपनीय

एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे; हालांकि, यदि उस आवेदन में विशेष कठिनाइयां हैं, तो आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य सब्सिडी लाभ की पहचान और मापन के लिए ऐसी पद्धतियों का उपयोग कर सकता है जो इस संभावना को ध्यान में रखती हैं कि चीन में प्रचलित शर्तें और नियम हमेशा उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यावहारिक हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य चीन के बाहर प्रचलित शर्तों और नियमों के उपयोग पर विचार करने से पहले ऐसी प्रचलित शर्तों और नियमों को समायोजित करेगा।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-अनुच्छेद (क) के अनुसार उपयोग की जाने वाली पद्धतियों को एंटी-डंपिंग प्रथाओं पर समिति को और उप-अनुच्छेद (ख) के अनुसार उपयोग की जाने वाली पद्धतियों को सब्सिडी और प्रति-संतुलन उपायों पर समिति को अधिसूचित करेगा।

(घ) एक बार चीन ने, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के तहत, यह स्थापित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, उप-अनुच्छेद (क) के प्रावधान समाप्त हो जाएंगे बशर्ते कि आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्रवेश की तिथि पर बाजार अर्थव्यवस्था मानदंड शामिल हों। किसी भी स्थिति में, उप-अनुच्छेद (क)(ii) का प्रावधान प्रवेश की तिथि के 15 वर्ष बाद समाप्त हो जाएगा। इसके अलावा, यदि चीन, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसार, यह स्थापित करता है कि किसी विशेष उद्योग या क्षेत्र में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां प्रबल हैं, तो उप-अनुच्छेद (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रावधान उस उद्योग या क्षेत्र पर लागू नहीं होंगे।"

46. आवेदक ने चीन के प्रवेश प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(a)(i) के साथ-साथ अनुलग्नक I के पैरा 7 पर भरोसा किया था और दावा किया था कि चीन पीआर में उत्पादकों से यह प्रदर्शित करने के लिए कहा जाना चाहिए कि विचाराधीन उत्पाद के निर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उनके उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां प्रबल हैं। आवेदक द्वारा यह कहा गया है कि यदि प्रतिक्रिया देने वाले चीनी उत्पादक यह प्रदर्शित नहीं कर पाते कि उनकी लागत और मूल्य जानकारी बाजार-संचालित है, तो सामान्य मूल्य की गणना नियमों के अनुलग्नक-I के पैरा 7 और 8 के प्रावधानों के अनुसार की जानी चाहिए।
47. यह नोट किया गया है कि जबकि अनुच्छेद 15 (a)(ii) में निहित प्रावधान 11.12.2016 को समाप्त हो गया है, डब्ल्यूटीओ एंटी-डंपिंग समझौते के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत

गैर-गोपनीय

प्रावधान, प्रवेश प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(a)(i) के तहत दायित्व के साथ पठित, नियमों के अनुलग्नक I के पैराग्राफ 8 में निर्धारित मानदंड को बाजार अर्थव्यवस्था उपचार का दावा करने पर पूरक प्रश्नावली में प्रदान की जाने वाली जानकारी/डेटा के माध्यम से पूरा करने की आवश्यकता है। यह नोट किया गया है कि चूंकि चीन पीआर से प्रतिक्रिया देने वाले उत्पादकों/निर्यातकों ने पूरक प्रश्नावली का जवाब प्रस्तुत नहीं किया है, सामान्य मूल्य की गणना नियमों के अनुलग्नक I के पैराग्राफ 7 के प्रावधानों के अनुसार की जानी आवश्यक है, जो निम्नानुसार पढ़ा जाता है:

"7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देशों से आयात के मामले में, सामान्य मूल्य एक बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश में कीमत या निर्मित मूल्य, या ऐसे तीसरे देश से अन्य देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, को कीमत, या जहां संभव न हो, किसी अन्य उचित आधार पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तव में भुगतान की गई या देय कीमत शामिल है, यदि आवश्यक हो तो उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित। एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश का चयन नामित प्राधिकरण द्वारा संबंधित देश के विकास स्तर और विचाराधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए उचित तरीके से किया जाएगा और चयन के समय उपलब्ध किसी भी विश्वसनीय जानकारी का उचित ध्यान रखा जाएगा। समय सीमा के भीतर भी ध्यान रखा जाएगा; जहां उपयुक्त हो, किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश के संबंध में समान मामले में की गई जांच का। जांच के पक्षकारों को उपरोक्त बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश के चयन के बारे में बिना अनुचित देरी के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित समय दिया जाएगा।"

48. आरंभ के चरण में, प्राधिकरण ने चीन जनवादी गणराज्य को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में मानने की धारणा के साथ कार्यवाही की। आरंभ के पश्चात, प्राधिकरण ने चीन जनवादी गणराज्य में उत्पादकों/निर्यातकों को आरंभ की सूचना का उत्तर देने और यह जानकारी प्रदान करने की सलाह दी कि क्या उनके आंकड़ों/सूचनाओं को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपनाया जा सकता है। प्राधिकरण ने चीन जनवादी गणराज्य में सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था उपचार/पूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं, ताकि इस संबंध में प्रासंगिक जानकारी प्रदान की जा सके।
49. पैरा 7 सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए एक पदानुक्रम निर्धारित करता है और प्रावधान करता है कि सामान्य मूल्य एक बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश में कीमत या निर्मित मूल्य के आधार पर, या ऐसे तीसरे देश से किसी अन्य देश, जिसमें भारत भी शामिल है, को कीमत के आधार पर, या जहां संभव न हो, किसी भी उचित आधार पर निर्धारित

गैर-गोपनीय

किया जाएगा, जिसमें भारत में समान लेख के लिए वास्तव में भुगतान की गई या देय कीमत शामिल है, यदि आवश्यक हो तो उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित। इस प्रकार, प्राधिकरण नोट करता है कि सामान्य मूल्य पैरा 7 के तहत प्रदान किए गए विभिन्न अनुक्रमिक विकल्पों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाना आवश्यक है।

50. प्राधिकरण नोट करता है कि किसी भी इच्छुक पार्टी ने उपयुक्त बाजार-अर्थव्यवस्था तीसरे देश में उत्पाद के घरेलू मूल्य या निर्मित मूल्य के संबंध में कोई जानकारी प्रदान नहीं की है। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया था कि बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश में लागत और मूल्य से संबंधित डेटा उपलब्ध नहीं है। उस कीमत के संबंध में जिस पर विचाराधीन उत्पाद बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश से किसी अन्य देश, जिसमें भारत भी शामिल है, को निर्यात किया जाता है, घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया था कि अन्य देशों में विचाराधीन उत्पाद के लिए कोई समर्पित एचएस कोड नहीं है जिसके कारण इसके लिए कोई जानकारी उपलब्ध नहीं थी। इसलिए, इस आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सका।
51. नियमों के अनुलग्नक 1 के पैरा 7 के संदर्भ में, प्राधिकरण ने चीन पीआर के लिए सामान्य मूल्य किसी अन्य उचित आधार पर निर्धारित किया है, अर्थात् भारत में उत्पादन की लागत, जिसे बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों तथा उचित लाभ के जोड़ द्वारा विधिवत समायोजित किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निर्मित सामान्य मूल्य डंपिंग मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

निर्यात मूल्य

क. सेनिक्स कंपनी लिमिटेड अनहुई (उत्पादक), सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शेडोंग (उत्पादक) और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड-सेनिक-मुख्यालय (व्यापारी)

52. यह भी नोट किया गया है कि सेनिक्स कंपनी लिमिटेड, अनहुई द्वारा सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (सेनिक्स-मुख्यालय) चीन पीआर को बेची गई विषय वस्तु, सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (सेनिक्स-मुख्यालय) चीन पीआर ने उसी विषय वस्तु को भारत को एक अन्य असंबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से पुनर्विक्रय किया है। सेनिक्स कंपनी लिमिटेड अनहुई और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शेडोंग (इसके बाद सामूहिक रूप से सेनिक्स चाइना के रूप में जाना जाता है) चीन पीआर से विषय वस्तु के उत्पादक/निर्यातक हैं। दोनों कंपनियां सेनिक्स समूह का हिस्सा हैं।

गैर-गोपनीय

53. पीओआई के दौरान, सेनिकस कंपनी लिमिटेड, अनहुई चीन पीआर ने 35167750.00 आरएमबी के चालान मूल्य की 2726.00 मीट्रिक टन विषय वस्तु भारत को एक संबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् सेनिकस कंपनी लिमिटेड (सेनिकस-मुख्यालय) चीन पीआर के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से बेची है। इसके अलावा, सेनिकस कंपनी लिमिटेड (सेनिकस-मुख्यालय) चीन पीआर ने उसी विषय वस्तु को भारत को एक अन्य असंबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से पुनर्विक्रय किया है।
54. पीओआई के दौरान, सेनिकस कंपनी लिमिटेड, शेडोंग, चीन पीआर ने 13265750.00 आरएमबी के चालान मूल्य की 963.50 मीट्रिक टन विषय वस्तु भारत को एक संबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् सेनिकस कंपनी लिमिटेड (सेनिक-मुख्यालय) के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से बेची है। (सेनिकस-मुख्यालय) चीन पीआर ने उसी विषय वस्तु को भारत को एक अन्य असंबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से पुनर्विक्रय किया है।
55. दोनों उत्पादकों ने विषय वस्तु सेनिकस, मुख्यालय के माध्यम से लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड को बेची है जो एक असंबंधित इकाई है। लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड ने तब माल को अपनी भारतीय इकाई लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को पुनर्विक्रय किया है जिसने माल का कैप्टिव रूप से उपभोग किया है। डेस्क सत्यापन के बाद लागू होने पर महासागर माल ढुलाई, समुद्री बीमा, अंतर्देशीय परिवहन, बंदरगाह और अन्य संबंधित खर्चों और सीमा शुल्क सहित समायोजन की अनुमति दी गई है। इस प्रकार प्राप्त शुद्ध निर्यात मूल्य डंपिंग मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

ख. चीन पीआर के गैर-सहयोगी उत्पादक

56. प्राधिकरण ने गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए शुद्ध निर्यात मूल्य उपलब्ध तथ्यों पर निर्धारित किया है। निर्धारित पूर्व-कारखाना निर्यात मूल्य नीचे डंपिंग मार्जिन तालिका में दिखाया गया है।

यूरोपीय संघ से सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य**- सामान्य मूल्य, और निर्यात मूल्य**

57. यूरोपीय संघ से किसी भी उत्पादक/निर्यातक की भागीदारी के अभाव में, प्राधिकरण ने यूरोपीय संघ के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया है। सामान्य मूल्य भारत में उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए,

गैर-गोपनीय

बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों के लिए अतिरिक्त के बाद, और उचित मुनाफे के साथ विधिवत समायोजित करके निर्धारित किया गया है। आगे की चर्चा आवश्यक है।

58. शुद्ध निर्यात मूल्य भी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। निर्धारित कारखाना सामान्य मूल्य और शुद्ध निर्यात मूल्य नीचे डंपिंग मार्जिन तालिका में दिखाया गया है।

संबंधित उत्पादकों और निर्यातकों के लिए डंपिंग मार्जिन

59. यह नोट किया गया है कि विषय जांचों में कई सहयोगी उत्पादक और निर्यातक एक-दूसरे से संबंधित हैं और संबंधित कंपनियों का एक समूह बनाते हैं। प्राधिकरण की यह सुसंगत प्रथा रही है कि वह डंपिंग मार्जिन के निर्धारण के लिए संबंधित निर्यातक उत्पादकों और निर्यातकों को एक एकल इकाई माने और इस प्रकार उनके लिए एक एकल डंपिंग मार्जिन स्थापित करे। यह विशेष रूप से इसलिए है क्योंकि व्यक्तिगत डंपिंग मार्जिन की गणना एंटी-डंपिंग उपायों के सर्कमवेंशन को प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे संबंधित निर्यातक उत्पादकों को सबसे कम व्यक्तिगत डंपिंग मार्जिन वाली कंपनी के माध्यम से भारत को अपने निर्यात को चैनल करने में सक्षम बनाकर उन्हें अप्रभावी बना दिया जा सकता है।
60. उपरोक्त के अनुसार, संबंधित उत्पादकों और निर्यातकों को एक एकल इकाई माना गया और उन्हें एक एकल डंपिंग मार्जिन आवंटित किया गया जिसकी गणना सहयोगी संबंधित उत्पादकों और निर्यातकों के डंपिंग मार्जिन के भारित औसत के आधार पर की गई थी।

ग. डंपिंग मार्जिन

61. वर्तमान जांच में निर्धारित सामान्य मूल्य/निर्मित सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और डंपिंग मार्जिन निम्नानुसार हैं

गैर-गोपनीय

क्र.सं.	देश	उत्पादक / निर्यातक	निर्मित सामान्य मूल्य (यूएसडी/एमटी)	एनईपी (यूएसडी/एमटी)	डंपिंग मार्जिन यूएसडी/एमटी)	डंपिंग मार्जिन (%)	डंपिंग मार्जिन की सीमा
क	चीन जनवादी गणराज्य						
1	चीन जनवादी गणराज्य	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड आनहुई और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शानडोंग	***	***	***	***	60-70
2	चीन जनवादी गणराज्य	कोई अन्य उत्पादक	***	***	***	***	70-80
ख	यूरोपीय संघ						
1	यूरोपीय संघ	कोई भी	***	***	***	***	10-20

छ. चोट और कारण संबंध का आकलन

छ.1 अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुति

62. विरोधी इच्छुक पार्टियों ने चोट और कारण संबंध के आकलन के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:

- i. कैप्टिव खपत से उत्पन्न चोट को आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि कैप्टिव हस्तांतरण बाजार बिक्री का गठन नहीं करते हैं। यह प्रस्तुत किया गया था कि कैप्टिव खपत से संबंधित कोई भी प्रतिकूल प्रदर्शन आंतरिक अक्षमताओं, कम क्षमता उपयोग, उच्च निश्चित लागत, आंतरिक हस्तांतरण मूल्य निर्धारण और व्यावसायिक निर्णयों के लिए जिम्मेदार हो सकता है। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि 4-एडीपीए के आयात और पीएक्स-13 के उत्पादन, बिक्री और लाभप्रदता के बीच कोई भी संबंध उत्पाद-विशिष्ट चोट निर्धारण के लिए प्रासंगिक नहीं है।

गैर-गोपनीय

- ii. खोई हुई बिक्री और अनुमानित लाभप्रदता के दावे अनुमानित हैं और विस्थापन या मूल्य प्रभावों के ग्राहक-वार साक्ष्य द्वारा असमर्थित हैं। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि चीन पीआर से आयात केवल मामूली रूप से बढ़ा, जबकि विषय देशों से आयात पीओआई के दौरान घटा, जिसमें सापेक्ष रूप में भी शामिल है।
- iii. घरेलू उद्योग 2015-16 से 4-एडीपीए का निर्माण कर रहा है और उसने लंबे समय तक क्षमता का कम उपयोग अनुभव किया है, जिसे केवल पीओआई के दौरान आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और सकल बिक्री मूल्य 2021-22 की तुलना में पीओआई के दौरान बढ़ा, जबकि इसकी बिक्री वृद्धि समग्र गैर-कैप्टिव मांग की वृद्धि से अधिक थी। औसत इन्वेंट्री, उत्पादन के दिनों में इन्वेंट्री और बिक्री के दिनों में इन्वेंट्री भी पीओआई के दौरान घटी।
- iv. शुद्ध लाभ में गिरावट मुख्य रूप से मूल्यहास और ब्याज लागत में वृद्धि के कारण थी, जबकि मूल्यहास, ब्याज और कर से पहले का लाभ पीओआई के दौरान बढ़ा। यह भी प्रस्तुत किया गया था कि कर्मचारियों, मजदूरी और नियोजित पूंजी में वृद्धि निरंतर निवेश और संचालन के विस्तार को इंगित करती है।
- v. वैश्विक उत्पादकों की तुलना में घरेलू उद्योग के संचालन का अपेक्षाकृत छोटा पैमाना, सीमित पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं के कारण उच्च लागत और कम लाभप्रदता में परिणत हो सकता है। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि कैप्टिव खपत में कोई भी प्रतिकूल प्रदर्शन आंतरिक हस्तांतरण मूल्य निर्धारण, डाउनस्ट्रीम बाजार की स्थितियों और व्यावसायिक निर्णयों के लिए जिम्मेदार हो सकता है। इच्छुक पार्टी ने यह भी प्रस्तुत किया कि कथित चोट घरेलू उद्योग की पूर्व एकाधिकार स्थिति के नुकसान के बाद बढ़ी हुई डाउनस्ट्रीम प्रतिस्पर्धा के लिए जिम्मेदार हो सकती है।
- vi. भारत में 4-एडीपीए का कोई महत्वपूर्ण स्वतंत्र व्यापारी बाजार नहीं है और इसका मुख्य रूप से कैप्टिव रूप से उपभोग किया जाता है, केवल सीमित मात्रा लैंक्सेस को बेची जाती है। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि लैंक्सेस द्वारा आयात लंबे समय से चली आ रही सोर्सिंग व्यवस्थाओं के अनुसार किए गए थे न कि कथित डंप किए गए मूल्यों के कारण। तदनुसार, इच्छुक पार्टी ने अनुरोध किया कि प्राधिकरण चोट और कारण संबंध के दावों की जांच 4-एडीपीए की कैप्टिव प्रकृति, डाउनस्ट्रीम पीएक्स-13 बाजार में घटनाक्रम, आयात रुझान और अन्य ज्ञात कारकों के आलोक में करे।
- vii. विरोधी पार्टियों की राय है कि जांच कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण और भेदभावपूर्ण है क्योंकि यह जापान, अमेरिका और कोरिया आरपी को विषय देशों के रूप में शामिल करने में विफल रहती है। जबकि व्यक्तिगत रूप से 3% आयात हिस्सेदारी सीमा से नीचे, ये देश सामूहिक रूप से कुल आयात का 7.28% हिस्सा हैं, जो एंटी-डंपिंग

नियमों के अनुलग्नक II, पैरा (iii) के तहत शामिल करने के लिए अनिवार्य 7% सीमा से अधिक है। उनका बहिष्करण डब्ल्यूटीओ एंटी-डंपिंग समझौते के गैर-भेदभाव सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

छ.2 आवेदक द्वारा प्रस्तुति

63. आवेदक ने चोट और कारण संबंध के आकलन के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:

- i. कैप्टिव खपत और कैप्टिव प्रदर्शन को चोट विश्लेषण में विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि अन्य घरेलू पीएक्स-13 उत्पादकों के लिए डंप किए गए 4-एडीपीए की उपलब्धता उन्हें कम कीमतों पर पीएक्स-13 का उत्पादन और बिक्री करने में सक्षम बनाती है, जिससे आवेदक के पीएक्स-13 उत्पादन, लागत और कैप्टिव 4-एडीपीए की व्यावसायिक व्यवहार्यता प्रभावित होती है। आवेदक ने डब्ल्यूटीओ न्यायशास्त्र और प्राधिकरण के पिछले निष्कर्षों पर भरोसा किया जहां चोट विश्लेषण के लिए कैप्टिव खपत पर विचार किया गया था। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि अकेले पीएक्स-13 पर शुल्क अप्रभावी हो सकता है यदि 4-एडीपीए डंप किए गए मूल्यों पर उपलब्ध रहता है, और इसके विपरीत, क्योंकि किसी भी उत्पाद की निरंतर डंपिंग डाउनस्ट्रीम बाजार में आवेदक की बिक्री और कीमतों को सीमित करेगी।
- ii. 4-एडीपीए के आयात चोट अवधि के दौरान पूर्ण और सापेक्ष रूप में बढ़े, पीओआई के दौरान मामूली गिरावट का श्रेय पीएक्स-13 के बढ़े हुए आयात को दिया गया। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि आवेदक का पीएक्स-13 उत्पादन तब घटा जब 4-एडीपीए के आयात बढ़े और उसके बाद भी दबाव में बना रहा। आवेदक ने यह भी प्रस्तुत किया कि 4-एडीपीए की मांग सीधे पीएक्स-13 की मांग से जुड़ी है।
- iii. पीओआई के दौरान मूल्य अंडरकटिंग केवल इसलिए नकारात्मक थी क्योंकि इसने बड़े ऑर्डर को सुरक्षित करने के लिए अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कीमतें प्रदान कीं, और इसकी विक्रय कीमतें उदास बनी रहीं। पर्याप्त क्षमता के बावजूद, चोट अवधि के दौरान उत्पादन और क्षमता उपयोग घटा, पीओआई के दौरान केवल मामूली सुधार के साथ। घरेलू बिक्री भी शुरुआती वर्षों में कम कैप्टिव खपत के कारण घटी, जबकि अन्य पीएक्स-13 उत्पादकों ने कथित तौर पर डंप किए गए 4-एडीपीए का उपयोग करके अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई। आवेदक ने प्रस्तुत किया कि घरेलू बिक्री में बाद की वृद्धि ऑर्डर सुरक्षित करने के उसके स्वयं के प्रयासों के कारण थी।
- iv. इसने चोट अवधि के दौरान महत्वपूर्ण बिक्री और बाजार हिस्सेदारी का नुकसान उठाया और इसकी वास्तविक बिक्री इसकी संभावित बिक्री से काफी कम रही। यह

गैर-गोपनीय

प्रस्तुत किया गया था कि आवेदक उचित विक्रय कीमतों पर ₹230 करोड़ से अधिक की घरेलू बिक्री प्राप्त कर सकता था, जबकि पीओआई के दौरान वास्तविक बिक्री लगभग ₹14 करोड़ थी। आवेदक ने यह भी प्रस्तुत किया कि पर्याप्त क्षमता होने के बावजूद व्यापारी बाजार में इसकी बाजार हिस्सेदारी 10% से नीचे रही, और ऐसी कम बाजार हिस्सेदारी को प्राधिकरण ने अन्य जांचों में स्वीकार किया है।

- v. इन्वेंट्री स्तर चोट अवधि में बढ़ा, पीओआई के दौरान मामूली गिरावट के बावजूद, जबकि लाभप्रदता और आरओसीई कई वर्षों में नकारात्मक रहे, जिसमें पीओआई भी शामिल है। यह तर्क दिया गया कि 2022-23 में सकारात्मक लाभप्रदता यूरोप से आयात की उच्च कीमतों के कारण थी। आवेदक ने आगे प्रस्तुत किया कि आयात कीमतों से कम की पेशकशों के बावजूद उपभोक्ताओं से ऑर्डर प्राप्त नहीं हुए, हालांकि ऐसे ऑर्डर सकारात्मक योगदान उत्पन्न कर सकते थे और नकदी प्रवाह में सुधार कर सकते थे।
- vi. इसकी वृद्धि मात्रा और मूल्य दोनों मापदंडों के संदर्भ में महत्वपूर्ण रूप से घटी, और डंपिंग मार्जिन डी मिनिमिस स्तर से ऊपर और महत्वपूर्ण था। तदनुसार, यह प्रस्तुत किया गया कि आयात, कीमतों, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, बाजार हिस्सेदारी, इन्वेंट्री और लाभप्रदता में रुझान चोट और डंप किए गए आयात के साथ कारण संबंध स्थापित करते हैं।

छ.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

64. एंटी-डंपिंग नियमों का नियम 11 अनुलग्नक II के साथ पठित प्रावधान करता है कि चोट निर्धारण में उन कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को चोट का संकेत दे सकते हैं, "... सभी प्रासंगिक तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, जिसमें डंप किए गए आयात की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसे आयातों का ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर परिणामी प्रभाव शामिल है..."। कीमतों पर डंप किए गए आयात के प्रभाव की जांच करते समय, यह जांचना आवश्यक माना जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में डंप किए गए आयात द्वारा महत्वपूर्ण मूल्य अंडरकटिंग हुई है, या क्या ऐसे आयात का प्रभाव अन्यथा कीमतों को महत्वपूर्ण डिग्री तक कम करना है या मूल्य वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा महत्वपूर्ण डिग्री तक होती। भारत में घरेलू उद्योग पर डंप किए गए आयात के प्रभाव की जांच के लिए, उद्योग की स्थिति पर असर डालने वाले सूचकांक जैसे उत्पादन,

गैर-गोपनीय

क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, इन्वेंट्री, लाभप्रदता, शुद्ध बिक्री प्राप्ति, डंपिंग की मात्रा और मार्जिन, आदि को नियमों के अनुलग्नक II के अनुसार विचार किया गया है।

65. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग का उत्पादन घटा है, जिससे उत्पादन लागत में वृद्धि हुई और परिणामस्वरूप चोट हुई। प्राधिकरण ने नीचे गैर-विशेषता विश्लेषण में घरेलू उद्योग के उत्पादन पर कैप्टिव खपत में गिरावट के प्रभाव की जांच की है, और उत्पादन में गिरावट के उस हिस्से को डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया है जो कम कैप्टिव खपत से उत्पन्न होता है।

66. नियमों के अनुलग्नक II का पैरा (iii) आयात के संचयी विश्लेषण से संबंधित है। यह निम्नानुसार पढ़ा जाता है:

(iii) ऐसे मामलों में जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयात एक साथ एंटी-डंपिंग जांच के अधीन हैं, नामित प्राधिकरण ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करेगा, केवल जब वह निर्धारित करता है कि, -

*(क) प्रत्येक देश से आयात के संबंध में स्थापित डंपिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत है या जहां व्यक्तिगत देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, आयात सामूहिक रूप से समान वस्तु के आयात का सात प्रतिशत से अधिक है; और**

(ख) आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों और आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में आयात के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है।

67. प्राधिकरण ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करेगा, यदि वह निर्धारित करता है कि:

क. प्रत्येक देश से आयात के संबंध में स्थापित डंपिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत (या अधिक) है या जहां व्यक्तिगत देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, आयात सामूहिक रूप से समान वस्तु के आयात का सात प्रतिशत से अधिक है, और

ख. आयातित लेख और समान घरेलू लेख के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है।

गैर-गोपनीय

68. प्राधिकरण नोट करता है कि:
- क. विषय वस्तु विषय देशों से भारत में डंप की जा रही है। प्रत्येक विषय देश से डंपिंग मार्जिन नियमों के तहत निर्धारित डी मिनिमिस सीमा से अधिक है।
 - ख. प्रत्येक विषय देश से आयात की मात्रा व्यक्तिगत रूप से कुल आयात मात्रा का 3% से अधिक है।
 - ग. आयात के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है क्योंकि विषय देशों से आयात न केवल उनमें से प्रत्येक द्वारा प्रस्तुत समान लेखों के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान लेखों के साथ भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।
 - घ. जांच की अवधि के दौरान विषय देशों के अलावा अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात नहीं था।
69. उपरोक्त के आलोक में, प्राधिकरण विषय देशों से विचाराधीन उत्पाद के डंप किए गए आयात के प्रभावों का घरेलू उद्योग पर संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त मानता है।
70. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग को होने वाली चोट पीएक्स-13 की डंपिंग के लिए जिम्मेदार है और पीएक्स-13 पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना ऐसी चोट को दूर करेगा। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने अपने पीएक्स-13 संचालन में भौतिक चोट उठाई है और अंतिम निष्कर्ष संख्या 6/10/2025-डीजीटीआर दिनांक 24.06.2026 के माध्यम से, प्राधिकरण ने पीएक्स-13 के डंप किए गए आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश की है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि 4-एडीपीए की डंपिंग भी पीएक्स-13 के अपने प्रदर्शन को प्रभावित कर रही है क्योंकि यह पीएक्स-13 के अन्य उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ है। घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित करने वाली जानकारी भी प्रदान की है कि एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना पीएक्स-13 और 4-एडीपीए दोनों के संबंध में उठाई गई चोट का समाधान कैसे करेगा। हालांकि, जबकि पीएक्स-13 पर शुल्क लगाना पीएक्स-13 के संबंध में चोट को आंशिक रूप से दूर करने की उम्मीद है, घरेलू उद्योग का प्रदर्शन इष्टतम से कम बना रहेगा। वर्तमान जांच में, प्राधिकरण ने अपनी जांच 4-एडीपीए से संबंधित संचालन तक सीमित की है, और नीचे दिया गया चोट विश्लेषण पूरी तरह से 4-एडीपीए से संबंधित है।

छ.3.1 मांग/प्रत्यक्ष खपत का आकलन

71. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए, भारत में समान लेख की मांग या प्रत्यक्ष खपत को घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री, और सभी स्रोतों से विचाराधीन उत्पाद के आयात के योग के रूप में परिभाषित किया गया है। इस प्रकार आंकी गई मांग नीचे तालिका में दी गई है।

गैर-गोपनीय

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	22	130	341
3	अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	एमटी	-	-	-	-
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-	-	-	-
5	विषय देशों से आयात	एमटी	4,103	6,850	7,424	7,682
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	167	181	187
7	अन्य देशों से आयात	एमटी	88	-	-	-
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	-	-	-
9	कैप्टिव खपत को छोड़कर मांग/खपत	एमटी	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	158	175	189
11	कैप्टिव खपत	एमटी	***	***	***	***
12	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	97	82	86
13	कैप्टिव खपत सहित मांग/खपत	एमटी	***	***	***	***
14	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	112	104	111

72. यह देखा गया है कि:

क. कैप्टिव खपत को छोड़कर मांग/खपत चोट अवधि में लगातार बढ़ी, 2021-22 में सूचकांक 100 से जांच की अवधि में सूचकांक 189 तक।

ख. कैप्टिव खपत सहित मांग/खपत 2022-23 में बढ़ी, 2023-24 में घटी और जांच की अवधि में फिर से बढ़ी, चोट अवधि में सूचकांक 100 से सूचकांक 111 तक।

73. यह देखा गया है कि घरेलू बाजार में उत्पाद के केवल तीन उपयोगकर्ता हैं - लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फिनोरकेम इंडिया लिमिटेड और घरेलू उद्योग। घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में बिक्री करता है, और उत्पाद का कैप्टिव रूप से भी उपभोग करता है। तीनों संस्थाएं पीएक्स-13 का उत्पादन करने के लिए उत्पाद का उपयोग करती हैं। यह देखा गया है कि जांच की अवधि में, फिनोरकेम इंडिया लिमिटेड ने यूरोपीय संघ से पूरी सामग्री खरीदी है और लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने घरेलू उद्योग के साथ-साथ चीन से भी खरीदा है।

छ.3.2 डंप किए गए आयात का मात्रात्मक प्रभाव

गैर-गोपनीय

74. आयात की मात्रा के संबंध में, प्राधिकरण को यह विचार करना आवश्यक है कि क्या विषय देश से डंप किए गए आयात में पूर्ण रूप में या भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। इसका विश्लेषण नीचे तालिका में किया गया है।

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	विषय देश	एमटी	4,103	6,850	7,424	7,682
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	167	181	187
3	अन्य देश	एमटी	88	-	-	-
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	-	-	-
5	भारत के उत्पादन के संबंध में विषय देशों से आयात	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	170	217	217
7	भारतीय मांग (कैप्टिव सहित)	%	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	148	174	165
9	भारतीय मांग (कैप्टिव को छोड़कर)	%	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	106	103	99
11	कुल आयात	%	98%	100%	100%	100%
12	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	102	102	102

75. यह देखा गया है कि विषय देशों से आयात 2021-22 में 4,103 मीट्रिक टन से 2022-23 में 6,850 मीट्रिक टन तक बढ़ा, 2023-24 में 7,424 मीट्रिक टन तक और बढ़ा, और उसके बाद पीओआई के दौरान 7,682 मीट्रिक टन तक बढ़ा। प्राधिकरण नोट करता है कि विषय देशों से आयात पूरी चोट अवधि में लगातार बढ़ा है।
76. भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात 2021-22 में ***% से 2022-23 में ***% तक और 2023-24 में ***% तक लगातार बढ़ा, और पीओआई के दौरान ***% पर बना रहा। भारतीय मांग के संबंध में आयात, कैप्टिव खपत सहित, 2021-22 में ***% से 2022-23 में ***% और 2023-24 में ***% तक बढ़ा, पीओआई के दौरान ***% तक गिरने से पहले।

गैर-गोपनीय

77. प्राधिकरण नोट करता है कि चोट अवधि में विषय देशों से आयात पूर्ण रूप में 87% बढ़ा, जबकि कैप्टिव खपत सहित भारतीय मांग में 11% की वृद्धि हुई। तदनुसार कैप्टिव खपत सहित भारतीय मांग में उनकी हिस्सेदारी ***% से ***% हो गई, और भारतीय उत्पादन के संबंध में उनकी मात्रा ***% से ***% हो गई। पूरी चोट अवधि में विषय आयात गैर-कैप्टिव बाजार का ***% से ***% के बीच थे। तदनुसार प्राधिकरण मानता है कि विषय देशों से आयात चोट अवधि में महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा है, दोनों पूर्ण रूप में और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में।

छ.3.3 डंप किए गए आयात का मूल्य प्रभाव

78. घरेलू उद्योग की कीमतों पर डंप किए गए आयात के प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किया जाना आवश्यक है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में कथित डंप किए गए आयात द्वारा महत्वपूर्ण मूल्य अंडरकटिंग हुई है, या क्या ऐसे आयात का प्रभाव अन्यथा कीमतों को कम करना या मूल्य वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा सामान्य पाठ्यक्रम में होती। विषय देश से डंप किए गए आयात के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच मूल्य अंडरकटिंग, मूल्य दमन और मूल्य अवसाद, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और शुद्ध बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) की तुलना विषय देश से विषय वस्तु के आयात की लैंडेड कीमत से की गई है।

क. कीमत कम करना

79. मूल्य अंडरकटिंग विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, घरेलू उद्योग की शुद्ध विक्रय कीमत की तुलना विषय देशों से आयात की लैंडेड कीमत से की गई है। तदनुसार, विषय देशों से डंप किए गए आयात के मूल्य प्रभाव निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	चीन जनवादी गणराज्य	यूरोपीय संघ	विषय देश
1	आयात मात्रा	एमटी	3,666	4,016	7,682
2	शुद्ध बिक्री प्राप्ति	रु. / एमटी	***	***	***
3	अवतरण कीमत	रु. / एमटी	2,35,386	2,47,671	2,41,808
4	मूल्य अधोवर्तन	रु. / एमटी	***	***	***
5	मूल्य अधोवर्तन	%	***	***	***
6	मूल्य अधोवर्तन	सीमा	ऋणात्मक	ऋणात्मक	ऋणात्मक

गैर-गोपनीय

80. प्राधिकरण नोट करता है कि मूल्य अंडरकटिंग चीन पीआर (***) और यूरोपीय संघ (***) दोनों के संबंध में नकारात्मक है, और भारित औसत आधार पर भी नकारात्मक (***) है। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि नकारात्मक मूल्य अंडरकटिंग बड़े मात्रा के ऑर्डर को सुरक्षित करने के लिए अपने एक उपभोक्ता को दी जाने वाली अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों के कारण है। इसने आगे प्रस्तुत किया है कि, हालांकि ऐसी कीमतें उत्पादन लागत से कम थीं और घाटे में परिणत हुईं, विक्रय कीमतें परिवर्तनीय लागत से ऊपर रहीं और इस प्रकार निश्चित लागतों के प्रति सकारात्मक योगदान उत्पन्न किया। प्राधिकरण ने इस संबंध में घरेलू उद्योग की प्रस्तुतियों पर ध्यान दिया है।

ख. मूल्य दमन/अवसाद

81. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या डंप किए गए आयात घरेलू कीमतों को कम कर रहे हैं और क्या ऐसे आयात का प्रभाव कीमतों को महत्वपूर्ण डिग्री तक दबाना है या मूल्य वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य पाठ्यक्रम में होती, चोट अवधि में लागत और कीमतों में परिवर्तन की तुलना नीचे की गई है:

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	बिक्री मूल्य	रु. /एमटी	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	160	128	109
3	परिवर्तन	रु. /एमटी	***	***	***	***
4	बिक्री की लागत	रु. /एमटी	***	***	***	***
5	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	141	130	112
6	परिवर्तन	रु. /एमटी	***	***	***	***
7	अवतरण कीमत	रु. /एमटी	2,16,037	3,05,475	2,48,747	2,41,808
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	141	115	112
9	परिवर्तन	रु. /एमटी	-	89,438	-56,728	-6,939

82. यह देखा गया है कि,

- आधार वर्ष में, विक्रय मूल्य, विक्रय लागत और आयात के लैंडेड मूल्य तुलनीय थे, जिसमें लैंडेड मूल्य विक्रय लागत से मामूली रूप से अधिक था। वर्ष 2022-23 में, जहाँ विक्रय लागत में 41 इंडेक्स अंकों की वृद्धि हुई, वहीं विक्रय मूल्य में 60 इंडेक्स अंकों की वृद्धि हुई। यह वह वर्ष था जिसमें घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य उसकी विक्रय लागत से अधिक हो गया। वर्ष 2023-24 में, जबकि बिक्री की लागत

- 11 इंडेक्स अंक घटी, बिक्री मूल्य 32 इंडेक्स अंक घटा। घरेलू उद्योग को पुनः हानि हुई।
- ii. जांच अवधि में, जबकि बिक्री की लागत 18 इंडेक्स अंक घटी, बिक्री मूल्य 19 इंडेक्स अंक घटा। घरेलू उद्योग की हानियाँ जांच अवधि में सर्वाधिक हैं।
 - iii. वर्ष 2022-23 में आयातों की अवतरण कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत से अधिक थी, किंतु इसके बाद इसमें गिरावट आई है और वर्ष 2023-24 तथा जांच अवधि में यह बिक्री की लागत से कम है।
 - iv. तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में, जांच की अवधि में विक्रय मूल्य घटा है, जो दर्शाता है कि जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य उदास हैं।
 - v. आधार वर्ष की तुलना में, घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य में 9 सूचकांक अंक की वृद्धि हुई, जबकि इसकी बिक्री लागत में 12 सूचकांक अंक की वृद्धि हुई, जो दर्शाता है कि यह अपनी लागतों की वसूली के लिए अपनी कीमतें बढ़ाने में असमर्थ रहा है। विषय आयात की लैंडेड कीमत 2023-24 में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे थी और जांच की अवधि में इससे केवल ₹***/मीट्रिक टन ऊपर थी – एक ऐसा स्तर जिस पर बिक्री लागत की वसूली नहीं की जा सकती, उचित प्रतिफल कमाना तो दूर की बात है। तदनुसार घरेलू उद्योग की कीमतें दबाई गई हैं।
83. प्राधिकरण नोट करता है कि विषय आयात, जिन्होंने पूरी चोट अवधि में व्यापारी बाजार का 93% से 99% हिस्सा रखा, वह कीमत निर्धारित की जिस पर विचाराधीन उत्पाद भारत में उपलब्ध था। वह कीमत 2023-24 में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे थी और जांच की अवधि में इससे केवल ₹***/मीट्रिक टन ऊपर थी, जिससे घरेलू उद्योग के पास अपनी बिक्री लागत और उचित प्रतिफल की वसूली करने वाले स्तर पर मूल्य निर्धारित करने की कोई गुंजाइश नहीं बची; वास्तव में इसने विषय आयात की लैंडेड कीमत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे और अपनी स्वयं की बिक्री लागत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे बिक्री की। तदनुसार प्राधिकरण मानता है कि घरेलू उद्योग की कीमतें दबाई गई हैं। प्राधिकरण आगे नोट करता है कि जांच की अवधि में घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य इसकी बिक्री लागत में 18 सूचकांक अंक की गिरावट के मुकाबले 19 सूचकांक अंक घटा, जबकि विषय आयात की लैंडेड कीमत भी ₹***/मीट्रिक टन घटी, और तदनुसार मानता है कि इसकी कीमतें भी उदास हैं।

छ.3.4 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

84. नियमों के अनुलग्नक II में आवश्यकता है कि चोट का निर्धारण ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर डंप किए गए आयात के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल करे।

गैर-गोपनीय

ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर डंप किए गए आयात के परिणामी प्रभाव के संबंध में, नियम आगे प्रावधान करते हैं कि घरेलू उद्योग पर डंप किए गए आयात के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर असर डालने वाले सभी प्रासंगिक आर्थिक कारकों और सूचकांकों का उद्देश्यपूर्ण और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए, जिसमें बिक्री, मुनाफे, उत्पादन, बाजार हिस्सेदारी, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिफल या क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, डंपिंग मार्जिन की मात्रा; नकदी प्रवाह, इन्वेंट्री, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न चोट मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है।

क. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा

85. चोट अवधि में घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	क्षमता	एमटी	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	100	100	100
3	उत्पादन	एमटी	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	98	83	86
5	क्षमता उपयोगिता	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	98	83	86
7	घरेलू बिक्री	एमटी	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	22	130	341
9	कैप्टिव खपत	एमटी	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	97	82	86

86. यह देखा गया है कि:

क. घरेलू उद्योग की क्षमता पूरी चोट अवधि में समान रही और घरेलू मांग से अधिक है। 2021-22 की तुलना में 2022-23 में घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता उपयोग घटा। 2023-24 में घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता उपयोग और घटा। 2023-24 की तुलना में जांच की अवधि में उत्पादन और क्षमता उपयोग मामूली रूप

गैर-गोपनीय

से बढ़ा। चोट अवधि में, घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता उपयोग महत्वपूर्ण रूप से घटा है।

- ख. घरेलू उद्योग के पास निष्क्रिय क्षमता विषय देशों से आयात से अधिक है।
- ग. 2021-22 की तुलना में 2022-23 में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री घटी। 2023-24 और जांच की अवधि में घरेलू बिक्री बढ़ी। जबकि मांग बढ़ी है, घरेलू बिक्री मामूली रूप से बढ़ी है। घरेलू उद्योग ने कहा है कि वह जांच की अवधि में अपने ग्राहकों को बढ़ी हुई मात्रा बेचने में सक्षम था क्योंकि उसने अपनी लागत से बहुत कम कीमत पर बिक्री की।
- घ. महत्वपूर्ण निष्क्रिय क्षमताओं के साथ काम करने के बावजूद, घरेलू उद्योग पूरी चोट अवधि में बहुत सीमित मात्रा ही बेच पाया है क्योंकि महत्वपूर्ण आयात हैं।
- ड. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि 4-एडीपीए की डंपिंग पीएक्स-13 की इसकी बिक्री को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही है जहां यह पीएक्स-13 के डंप किए गए आयात और पीएक्स-13 के अन्य उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है जो डंप किए गए 4-एडीपीए का उपभोग करते हैं। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग पीएक्स-13 बनाने के लिए उत्पाद का कैप्टिव रूप से उपभोग करता है और घरेलू बाजार में पीएक्स-13 के अन्य उत्पादकों के साथ बिक्री करता है जो पीएक्स-13 का उत्पादन करने के लिए आयातित 4-एडीपीए पर निर्भर हैं।

ख. बाजार हिस्सेदारी

87. घरेलू उद्योग और भारत में आयात की बाजार हिस्सेदारी, कैप्टिव खपत को छोड़कर मांग/खपत के संदर्भ में मापी गई, और कैप्टिव खपत सहित, नीचे तालिका में दिखाई गई है:

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	14	77	197
3	विषय देश	%	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	103	101	96
5	अन्य देश	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-	-	-	-

कैप्टिव खपत सहित तालिका

क्र.सं.	बाजार हिस्सेदारी	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***

गैर-गोपनीय

2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	86	79	80
3	अन्य भारतीय उत्पादक	%	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-	-	-	-
5	विषय देशों से आयात	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	149	173	168
7	अन्य देशों से आयात	%	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	-	-	-

88. उपरोक्त के आधार पर, प्राधिकरण नोट करता है कि:

- i. गैर-कैप्टिव बाजार के संबंध में, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी, अनुक्रमित रूप में, 2021-22 में 100 से 2022-23 में 14 तक तेजी से घटी, और उसके बाद 2023-24 में 77 और जांच की अवधि में 197 तक बढ़ी। हालांकि, ऐसी वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी पूरी चोट अवधि में प्रतिशत के संदर्भ में एकल अंकों में रही।
- ii. तदनुसार, यह नोट किया गया है कि गैर-कैप्टिव बाजार में विषय आयात की बाजार हिस्सेदारी पूरी चोट अवधि में अत्यधिक प्रभावी रही। विषय आयात की बाजार हिस्सेदारी का सूचकांक 2021-22 में 100 से 2022-23 में 103 हो गया, और उसके बाद 2023-24 में मामूली रूप से घटकर 101 और जांच की अवधि में 96 हो गया। प्रतिशत के संदर्भ में, विषय आयात द्वारा धारित बाजार हिस्सेदारी चोट अवधि में ***% से ***% के बीच रही।
- iii. गैर-कैप्टिव बाजार में अन्य देशों से आयात की बाजार हिस्सेदारी पूरी चोट अवधि में शून्य/नगण्य रही।
- iv. कैप्टिव खपत सहित बाजार के संबंध में, यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी अनुक्रमित रूप में लगातार घटी, 2021-22 में 100 से 2022-23 में 86 और 2023-24 में 79, जांच की अवधि में 80 तक मामूली वृद्धि के साथ। प्रतिशत के संदर्भ में, घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी 2021-22 में ***% से जांच की अवधि में ***% तक घटी।
- v. तदनुसार, विषय आयात की बाजार हिस्सेदारी (कैप्टिव खपत सहित) अनुक्रमित रूप में 2021-22 में 100 से 2022-23 में 149 और 2023-24 में 173 तक बढ़ी, और उसके बाद जांच की अवधि में मामूली रूप से घटकर 168 हो गई। प्रतिशत के संदर्भ में, विषय आयात की बाजार हिस्सेदारी 2021-22 में ***% से जांच की अवधि में ***% तक बढ़ी।

गैर-गोपनीय

- vi. चोट अवधि में विषय वस्तु का कोई अन्य भारतीय उत्पादक नहीं था। अन्य देशों से आयात (कैप्टिव खपत सहित) केवल 2021-22 में देखा गया और बाद के वर्षों में अनुपस्थित था।
- vii. इस प्रकार प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने चोट अवधि में विषय देशों से आयात को लगातार बाजार हिस्सेदारी खोई है, दोनों गैर-कैप्टिव बाजार में और कैप्टिव खपत सहित समग्र बाजार में, जांच की अवधि में देखी गई मामूली वसूली के बावजूद। विषय देशों द्वारा धारित बाजार हिस्सेदारी घरेलू उद्योग की तुलना में महत्वपूर्ण रूप से अधिक बनी हुई है, जो स्थापित करती है कि विषय आयात भारतीय बाजार पर हावी बने हुए हैं।

ग. इन्वेंटरी

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	प्रारंभिक भंडार	एमटी	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	95	457	633
3	अंतिम भंडार	एमटी	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	481	667	111
5	औसत भंडार	एमटी	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	283	559	379

89. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की औसत इन्वेंट्री 2021-22 और 2023-24 के बीच तेजी से बढ़ी, सूचकांक 100 से 559 तक, जांच की अवधि में सूचकांक 379 तक गिरने से पहले। जबकि इन्वेंट्री स्तर जांच की अवधि में कम हुए, वे विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि के बावजूद आधार वर्ष की तुलना में महत्वपूर्ण रूप से ऊंचे बने हुए हैं।

घ. लाभप्रदता, नकद मुनाफे और नियोजित पूंजी पर प्रतिफल

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	लाभ/(हानि)	रु. लाख	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-100	1,482	-1,348	-4,461
3	पीबीआईटी	रु. लाख	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-100	2,063	-1,763	-5,904
5	नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	128	120	245

गैर-गोपनीय

7	निवेश पर प्रतिफल	%	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-100	8,805	-971	-1,776

90. यह देखा गया है कि,

- क. घरेलू उद्योग का लाभ 2022-23 में सकारात्मक हो गया, 2023-24 में घाटे में लौटने से पहले, जांच की अवधि में घाटे और बढ़ने के साथ। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि 2022-23 में अर्जित मुनाफा चीन में शून्य कोविड नीति और वैश्विक माल ढुलाई मुद्दे के कारण था, जिसके कारण पूरे वर्ष आयात उपलब्ध नहीं थे, जिससे घरेलू उद्योग बेहतर कीमतें प्राप्त कर सका। पीबीआईटी ने लाभ में गति को प्रतिबिंबित किया, 2022-23 में सकारात्मक हो गया, 2023-24 में घाटे में गिरने से पहले, जो जांच की अवधि में और बढ़ा।
- ख. नकद मुनाफे, हालांकि, 2022-23 में बढ़े, 2023-24 में मामूली रूप से घटे, और जांच की अवधि में और बढ़े; यह सुधार, हालांकि, पीबीआईटी और शुद्ध लाभ स्तर पर दर्ज घाटे की भरपाई नहीं करता है।
- ग. निवेश पर प्रतिफल ने लाभ और पीबीआईटी के समान रुझान का पालन किया - 2022-23 में सुधार, 2023-24 में नकारात्मक होने से पहले और जांच की अवधि में और गिरावट।
- घ. इस प्रकार घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में वित्तीय घाटा और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल उठाया है।

ड. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

91. चोट अवधि में घरेलू उद्योग के रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी नीचे तालिका में दिए गए हैं।

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	109	100	104
3	प्रति कर्मचारी उत्पादन	एमटी /संख्या	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	90	83	82
5	प्रति दिन उत्पादन	एमटी /दिन	***	***	***	***

गैर-गोपनीय

6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	98	83	86
7	मजदूरी	रु. लाख	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	109	113	112

92. यह देखा गया है कि:

- क. घरेलू उद्योग में कर्मचारियों की संख्या चोट अवधि में मोटे तौर पर स्थिर रही।
- ख. प्रति दिन और प्रति कर्मचारी उत्पादन उत्पादन में गिरावट के साथ चोट अवधि में घटा।
- ग. घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान की गई मजदूरी चोट अवधि में बढ़ी।

च. विकास

93. निम्नलिखित तालिका चोट अवधि में घरेलू उद्योग के विकास मापदंडों को दर्शाती है।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2022-23	2023-24	पीओआई
1	क्षमता उपयोग	%	-2%	-15%	3%
2	उत्पादन	%	-2%	-15%	3%
3	घरेलू बिक्री	%	-78%	480%	163%
4	लाभ/(हानि)-रु. /एमटी	%	-6714%	-116%	26%
5	PBIT-रु. लाख में	%	-2163%	-185%	-235%
6	नकद लाभ - रु. लाख में	%	28%	-6%	103%

94. जांच की अवधि में, उत्पादन 2022-23 में 2% और 2023-24 में 15% गिरने के बाद, मामूली रूप से 3% बढ़ा। घरेलू बिक्री, 2022-23 में 78% तेजी से गिरने के बाद, 2023-24 में 480% और पीओआई में 163% और बढ़ी; हालांकि, यह स्पष्ट वृद्धि बहुत कम आधार पर है और पूर्ण बिक्री मात्रा कम बनी हुई है। लाभप्रदता मापदंडों ने अस्थिर प्रवृत्ति प्रदर्शित की। प्रति मीट्रिक टन लाभ/(हानि) 2022-23 में 6714% तेजी से बढ़ा, लेकिन उसके बाद 2023-24 में 116% और पीओआई में 26% और घटा। इसी तरह, पीबीआईटी 2022-23 में 2163% बढ़ा, लेकिन 2023-24 में 185% घटा और पीओआई में 235% और घटा। नकद लाभ, हालांकि, 2022-23 में 28% बढ़ा, 2023-24 में 6% घटा, और उसके बाद पीओआई में 103% सुधरा। इस प्रकार, जबकि उत्पादन और घरेलू बिक्री ने कुछ वसूली दिखाई और नकद लाभ ने पीओआई में सुधार दर्ज किया, घरेलू उद्योग का लाभ और पीबीआईटी जांच की अवधि में महत्वपूर्ण गिरावट दिखाते रहे।

छ. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

95. प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में घाटा दर्ज किया था। यह भी देखा गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित पूंजी पर प्रतिफल नकारात्मक है, जो कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को जुटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए, घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता प्रभावित हुई है।

ज. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

96. प्राधिकरण नोट करता है कि विषय आयात की लैंडेड कीमत 2023-24 में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से नीचे थी और जांच की अवधि में इससे केवल मामूली रूप से ऊपर थी। उन कीमतों पर विषय आयात द्वारा व्यापारी बाजार का 93% से 99% हिस्सा रखने के मुकाबले, घरेलू उद्योग ने लैंडेड कीमत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे और अपनी स्वयं की बिक्री लागत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे बिक्री की, और घाटा उठाया। ऊपर पैरा 82 और 83 में दर्ज कारणों से, डंप किए गए आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं।

झ. डंपिंग की मात्रा

97. डंपिंग की मात्रा इस बात का संकेतक है कि भारत में आयात किस हद तक डंप किया जा रहा है। जांच से पता चला है कि जांच की अवधि में डंपिंग मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।

छ.3.5 चोट पर अवलोकन

98. विचाराधीन उत्पाद के आयात और घरेलू उद्योग के प्रदर्शन की जांच से पता चलता है कि:
- विषय देशों से आयात आधार वर्ष में 4,103 मीट्रिक टन से जांच की अवधि में 7,682 मीट्रिक टन तक बढ़ा। आयात पूर्ण रूप में बढ़ा है।
 - उत्पादन के संबंध में आयात आधार वर्ष में ***% से जांच की अवधि में ***% तक बढ़ा। खपत के संबंध में आयात आधार वर्ष में ***% से जांच की अवधि में ***% तक बढ़ा। आयात सापेक्ष रूप में बढ़ा है।
 - लैंडेड कीमत घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से ऊपर है, जिसके परिणामस्वरूप नकारात्मक मूल्य अंडरकटिंग हुई। हालांकि, घरेलू उद्योग ने स्वीकार किया है कि उसने घरेलू बाजार में बेचने के लिए ऐसी प्रतिस्पर्धी कीमतों पर बिक्री की।
 - जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतें उदास थीं।

गैर-गोपनीय

- v. चोट अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता उपयोग घटा।
- vi. चोट अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री बढ़ी है। घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में अपना उत्पाद बेचने के लिए बढ़ते घाटे पर बिक्री की है।
- vii. घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी 2022-23 में घटी और उसके बाद बढ़ी। घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी है क्योंकि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में घाटे पर बिक्री की है।
- viii. औसत इन्वेंट्री चोट अवधि में बढ़ी।
- ix. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता 2022-23 में सुधरी, आरओआई ***% तक पहुंची; हालांकि, यह सुधार टिकाऊ नहीं था। 2023-24 में लाभप्रदता नकारात्मक हो गई और पीओआई के दौरान और खराब हुई, आरओआई ***% तक गिर गई।
- x. घरेलू उद्योग के नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिफल समान रूप से 2023-24 में सुधरे लेकिन उसके बाद 2023-24 और जांच की अवधि में नकारात्मक हो गए।
- xi. घरेलू उद्योग की पूंजी जुटाने की क्षमता प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है।
- xii. डंप किए गए आयात ने घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।
- xiii. जांच की अवधि में डंपिंग मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।

छ.4 भौतिक चोट की धमकी

99. आवेदक ने शुरुआत के चरण में घरेलू उद्योग को भौतिक चोट और भौतिक चोट की धमकी दोनों का आरोप लगाया था। प्राधिकरण ने, ऊपर दर्ज कारणों से, पाया है कि घरेलू उद्योग ने विषय देशों से डंप किए गए आयात के कारण भौतिक चोट उठाई है। वर्तमान भौतिक चोट के इस निष्कर्ष को देखते हुए, प्राधिकरण भौतिक चोट की धमकी पर अलग निर्धारण की जांच करना और दर्ज करना आवश्यक नहीं मानता है।

ज. गैर-आरोपण और कारण-संबंध

100. नियमों के अनुसार, अन्य ज्ञात कारकों की जांच की जानी आवश्यक है, जो डंप किए गए आयात के अलावा, उसी समय घरेलू उद्योग को चोट पहुंचा रहे हों, ताकि इन अन्य कारकों से होने वाली चोट को डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार न ठहराया जाए। नीचे जांच की गई है कि क्या डंप किए गए आयात के अलावा अन्य कारक घरेलू उद्योग को चोट में योगदान कर सकते थे। प्राधिकरण प्रारंभ में नोट करता है कि न तो अधिनियम

गैर-गोपनीय

और न ही नियम आवश्यक करते हैं कि एंटी-डंपिंग शुल्क लागू करने के लिए डंपिंग घरेलू उद्योग को चोट का एकमात्र कारण हो।

क. तीसरे देशों से आयात की मात्रा और मूल्य

101. प्राधिकरण नोट करता है कि जांच की अवधि के दौरान विषय देशों के अलावा अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात नहीं था, अन्य देशों से 88 मीट्रिक टन का आयात केवल 2021-22 में दर्ज किया गया था। इसलिए, अन्य देशों से आयात घरेलू उद्योग को चोट का कारण नहीं हो सकता।

ख. मांग में संकुचन

102. प्राधिकरण नोट करता है कि चोट अवधि में मांग बढ़ी है और इसलिए घरेलू उद्योग को होने वाली चोट मांग में संकुचन के लिए जिम्मेदार नहीं है। जांच की अवधि के दौरान मांग बढ़ी, दोनों कैप्टिव खपत सहित और छोड़कर।

ग. खपत के पैटर्न में परिवर्तन

103. प्राधिकरण नोट करता है कि विचाराधीन उत्पाद की खपत के पैटर्न में कोई भौतिक परिवर्तन नहीं हुआ है, जो घरेलू उद्योग को चोट पहुंचा सकता हो।

घ. व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं

104. प्राधिकरण नोट करता है कि विचाराधीन उत्पाद की बिक्री किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं है और कोई प्रतिबंधात्मक प्रथा प्राधिकरण के संज्ञान में नहीं लाई गई है।

ड. प्रौद्योगिकी में विकास

105. प्राधिकरण नोट करता है कि विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई ज्ञात भौतिक परिवर्तन नहीं हुआ है।

च. उत्पादकता

106. प्रति कर्मचारी और प्रति दिन उत्पादकता उत्पादन में गिरावट के अनुरूप चोट अवधि में घटी। उत्पादकता में गिरावट डंप किए गए आयात के कारण कम उत्पादन और क्षमता उपयोग का परिणाम है, न कि घरेलू उद्योग को चोट पहुंचाने वाला एक स्वतंत्र कारक। डंप किए गए आयात के अभाव में, घरेलू उद्योग उच्च क्षमता उपयोग पर काम कर पाता, जिससे बेहतर उत्पादकता स्तर प्राप्त होता। तदनुसार, प्राधिकरण मानता है कि उत्पादकता घरेलू उद्योग को चोट का स्वतंत्र कारण नहीं है, बल्कि डंप किए गए आयात से होने वाली चोट का लक्षण है।

छ. निर्यात प्रदर्शन

107. प्राधिकरण नोट करता है कि ऊपर जांच की गई चोट की जानकारी केवल घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन से संबंधित है। इस प्रकार, उठाई गई चोट को घरेलू उद्योग के निर्यात प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

ज. अन्य उत्पादों का प्रदर्शन

108. प्राधिकरण ने केवल विषय वस्तु के प्रदर्शन से संबंधित डेटा पर विचार किया है। इसलिए, उत्पादित और बेचे गए अन्य उत्पादों का प्रदर्शन घरेलू उद्योग को चोट का संभावित कारण नहीं है।

झ. डंपिंग और चोट के बीच कारण संबंध

109. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में गिरावट पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए इसकी कैप्टिव खपत में कमी के लिए जिम्मेदार है। प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग की कैप्टिव खपत 2021-22 में *** मीट्रिक टन से जांच की अवधि में *** मीट्रिक टन तक घटी, और उसी अवधि में इसके उत्पादन में *** मीट्रिक टन से *** मीट्रिक टन तक की गिरावट मुख्य रूप से उस गिरावट के कारण है। तदनुसार प्राधिकरण ने उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट के उस हिस्से को डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया है जो कम कैप्टिव खपत से उत्पन्न होता है। दूसरी ओर, घरेलू उद्योग के मूल्य और लाभप्रदता मापदंडों की जांच इसकी व्यापारी बिक्री के संदर्भ में की गई है, जैसा कि ऊपर पैरा 17 में दर्ज है, और ये इसकी कैप्टिव खपत के स्तर से प्रभावित नहीं हैं। व्यापारी खंड में प्रतिकूल मूल्य प्रभाव, घाटे और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल, व्यापारी बाजार में घरेलू उद्योग की एकल अंकों की बाजार हिस्सेदारी, और पूरी चोट अवधि में विषय आयात द्वारा धारित उस बाजार का ***% से ***% के बीच हिस्सा, कैप्टिव खपत में गिरावट से समझाया नहीं जा सकता है, और डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार हैं।

ञ. डंपिंग और चोट के बीच कारण संबंध।

110. ऊपर सूचीबद्ध कारक स्पष्ट रूप से स्थापित करते हैं कि आवेदक को चोट अन्य सूचीबद्ध कारकों से नहीं बल्कि विषय देशों से डंप किए गए आयात के कारण हुई है। डंप किए गए आयात और घरेलू उद्योग को होने वाली भौतिक चोट के बीच कारण संबंध निम्नलिखित से स्पष्ट है:

- क. विषय देशों से आयात डंप किए गए मूल्यों पर हैं, जांच की अवधि में सकारात्मक और महत्वपूर्ण डंपिंग मार्जिन के साथ। जबकि लैंडेड कीमत के आधार पर मूल्य

गैर-गोपनीय

अंडरकटिंग नकारात्मक है, कम कीमत वाले डंप किए गए आयात की उपस्थिति ने घरेलू उद्योग को अपनी लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतें बढ़ाने से रोका है, जिसके परिणामस्वरूप मूल्य दमन हुआ, जैसा कि इस तथ्य से प्रमाणित है कि घरेलू उद्योग की बिक्री लागत चोट अवधि में इसके विक्रय मूल्य की तुलना में भौतिक रूप से अधिक दर से बढ़ी।

- ख. डंप किए गए आयात की मात्रा चोट अवधि में लगातार बढ़ी, पूर्ण रूप में और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में, जो दर्शाता है कि उपभोक्ताओं ने डंप किए गए मूल्यों पर विषय देशों से अपनी सोर्सिंग को तेजी से स्थानांतरित किया है।
- ग. पर्याप्त घरेलू उत्पादन क्षमता की उपलब्धता के बावजूद, विषय देशों से आयात पूरी चोट अवधि में लगातार बढ़ा, जिसमें जांच की अवधि भी शामिल है, जो दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता मांग को पूरा करने की क्षमता के बावजूद कम उपयोग की गई रही।
- घ. घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी शुरुआती वर्षों में घटी और, जांच की अवधि में मामूली वसूली के बावजूद, अपनी क्षमता से काफी नीचे और घरेलू उद्योग की क्षमता से बहुत कम रही, जबकि विषय आयात की बाजार हिस्सेदारी पूरी चोट अवधि में अत्यधिक प्रभावी बनी रही।
- ङ. घरेलू उद्योग की कैप्टिव खपत चोट अवधि के शुरुआती वर्षों में घटी और, जांच की अवधि में मामूली वसूली के बावजूद, आधार वर्ष के स्तर से नीचे रही। इस गिरावट की भरपाई के लिए, घरेलू उद्योग ने मात्रा के संदर्भ में अपनी व्यापारी बिक्री बढ़ाई; हालांकि, ऐसी बिक्री लागत से कम कीमतों पर की गई, जो दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को डंप किए गए आयात के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अलाभकारी कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे इसकी लाभप्रदता और वित्तीय व्यवहार्यता कम हो गई।
- च. डंप किए गए आयात की कम कीमतों ने उपभोक्ताओं के खरीद निर्णयों को प्रभावित किया है, जिन्होंने पर्याप्त घरेलू उत्पादन क्षमता की उपलब्धता के बावजूद घरेलू उद्योग के बजाय विषय देशों से सोर्सिंग को प्राथमिकता दी है।
- छ. घरेलू उद्योग को डंप किए गए आयात के साथ प्रतिस्पर्धा में अपने उत्पाद की कीमत तय करने के लिए मजबूर किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप मूल्य दमन और अवसाद हुआ, क्योंकि चोट अवधि में आयात की लैंडेड कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत के करीब और कुछ वर्षों में नीचे रही।

गैर-गोपनीय

- ज. घरेलू उद्योग ने चोट अवधि में वित्तीय घाटा, ब्याज से पहले घाटा, और निवेश पर नकारात्मक प्रतिफल उठाया है, जो डंप किए गए आयात का सीधा परिणाम हैं और किसी अन्य ज्ञात कारक के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।
- झ. प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग को चोट विषय देशों से डंप किए गए आयात में वृद्धि के साथ-साथ हुई है, और अन्य ज्ञात कारकों - अर्थात् तीसरे देशों से आयात, मांग में संकुचन, खपत के पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं, प्रौद्योगिकी में विकास, उत्पादकता, निर्यात प्रदर्शन, और अन्य उत्पादों का प्रदर्शन - की जांच से डंप किए गए आयात के अलावा कोई अन्य कारक प्रकट नहीं हुआ है जो घरेलू उद्योग को चोट पहुंचा सकता हो। तदनुसार, प्राधिकरण स्वयं को संतुष्ट कर चुका है कि घरेलू उद्योग को होने वाली भौतिक चोट विषय देशों से विषय वस्तु के डंप किए गए आयात के कारण है और किसी अन्य सूचीबद्ध कारक के कारण नहीं।

झ. चोट मार्जिन की मात्रा

111. प्राधिकरण ने नियमों के साथ पठित अनुलग्नक III में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए गैर-चोटकारक मूल्य निर्धारित किया है, जैसा कि संशोधित किया गया है। विषय वस्तु का गैर-चोटकारक मूल्य जांच की अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सत्यापित जानकारी/डेटा को अपनाकर निर्धारित किया गया है। गैर-चोटकारक मूल्य को विषय देशों से लैंडेड कीमत की तुलना करने और चोट मार्जिन की गणना करने के लिए विचार किया गया है। गैर-चोटकारक मूल्य निर्धारित करने के लिए, चोट अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा कच्चे माल के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। उपयोगिताओं के साथ भी यही उपचार किया गया है। चोट अवधि में उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि उत्पादन लागत पर कोई असाधारण या गैर-आवर्ती खर्च नहीं लगाया गया है। विषय वस्तु के लिए औसत नियोजित पूंजी (यानी, औसत शुद्ध अचल संपत्ति और औसत कार्यशील पूंजी) पर 22% का उचित प्रतिफल ब्याज, कर और लाभ की ओर ले जाने के लिए अपनाया गया था, जो नियमों के अनुलग्नक III में निर्धारित गैर-चोटकारक मूल्य पर पहुंचने के लिए है।
112. सहयोगी निर्यातकों के लिए लैंडेड कीमत दायर प्रतिक्रिया के आधार पर निर्धारित की गई है। आयात की लैंडेड कीमत निर्धारित करने के लिए लागू सीमा शुल्क जोड़े गए हैं। विषय देशों से सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए, प्राधिकरण ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर लैंडेड कीमत निर्धारित की है।

गैर-गोपनीय

113. ऊपर निर्धारित लैंड कीमत और गैर-चोटकारक मूल्य के आधार पर, विषय देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए चोट मार्जिन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया गया है और वही नीचे तालिका में दिया गया है:

क्र.सं.	देश	उत्पादक / निर्यातक	एन आई पी (यूएसडी/एमटी)	अवतरण मूल्य (यूएसडी/एमटी)	क्षति मार्जिन (यूएसडी/एमटी)	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन सीमा
क	चीन जनवादी गणराज्य						
1	चीन जनवादी गणराज्य	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड आनहुई और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शानडोंग	***	***	***	***	10-20
2	चीन जनवादी गणराज्य	कोई अन्य उत्पादक	***	***	***	***	10-20
ख	यूरोपीय संघ						
1	यूरोपीय संघ	कोई भी	***	***	***	***	10-20

ज. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

ज.1 विरोधी इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुति

114. विरोधी इच्छुक पार्टियों ने भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दों के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:

- डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ता मुख्यतः घरेलू आपूर्ति की कमी के कारण आयात पर निर्भर हैं। जांच अवधि के दौरान आवेदक की कम क्षमता उपयोगिता और उत्पादन के रुक-रुक कर निलंबित होने के कारण उपयोगकर्ताओं के पास विदेशों से स्रोत प्राप्त करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। अपने स्वयं के उपभोग के लिए विषय

वस्तुओं के कैप्टिव अंतरण के पश्चात, भारतीय मांग को पूरा करने की घरेलू उद्योग की क्षमता गंभीर रूप से सीमित हो जाती है। अतः देश में विषय वस्तुओं के उपयोगकर्ता अपनी विषय वस्तुओं की नियमित खपत के लिए घरेलू उद्योग पर निर्भर नहीं रह सकते।

- ii. 4-एडीपीए की उच्च लागत डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में निवेश और नवाचार को प्रभावित करेगी, जिससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर होगी। 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया जाना डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर गंभीर लागत भार डालेगा, जहां 4-एडीपीए कच्चे माल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और शुल्क बिना किसी राजस्व प्रतिपूर्ति के सीधे बेची गई वस्तुओं की लागत को बढ़ा देता है।
- iii. 4-एडीपीए डाउनस्ट्रीम उद्योगों, जिनमें फार्मास्यूटिकल्स, एग्रीकेमिकल्स, जल उपचार, वस्त्र और चिपकने वाले पदार्थ शामिल हैं, के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट है। 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से डाउनस्ट्रीम निर्माताओं की इनपुट लागत बढ़ जाएगी, जो बढ़ी हुई लागत को अंतिम उपभोक्ताओं पर डालने में सक्षम नहीं हैं, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होगी।
- iv. मात्रात्मक साक्ष्य से पता चलता है कि 15% शुल्क डाउनस्ट्रीम परिचालनों की लागत में लगभग 11% की प्रभावी वृद्धि में परिवर्तित होगा, जिसमें लागत को आगे स्थानांतरित करने की सीमाएं, निश्चित मार्जिन और आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता को ध्यान में रखा गया है, जिससे डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं को महत्वपूर्ण रूप से नुकसान होगा तथा लाभप्रदता, उत्पादन और निर्यात बाजार हिस्सेदारी में कमी आएगी।
- v. एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से व्यापार का विचलन होगा। विषय देशों से आयातों का स्थान जापान, यूएसए और कोरिया आरपी जैसे गैर-विषय देशों से होने वाले आयातों द्वारा ले लिया जाएगा, जो पहले से ही प्रतिस्पर्धी कीमतों पर आपूर्ति कर रहे हैं। इससे घरेलू उद्योग को कोई लाभ नहीं होगा, जिसे समान प्रतिस्पर्धात्मक दबावों का सामना करना जारी रहेगा, जिससे शुल्क अप्रभावी हो जाएगा।
- vi. प्रस्तावित शुल्क आवेदक के पक्ष में प्रतिस्पर्धा को विकृत करेगा, जिसके पास 4-एडीपीए तक कैप्टिव पहुंच है, जबकि प्रतिस्पर्धी घरेलू पिक्सल-13 उत्पादकों के लिए लागत में वृद्धि होगी। शुल्क का व्यावहारिक प्रभाव एक समान प्रतिस्पर्धात्मक अवसर उत्पन्न करने के बजाय क्षति को याचिकाकर्ता से अन्य घरेलू उत्पादकों की ओर स्थानांतरित करना होगा।
- vii. यह भी दावा किया गया है कि शुल्क लगाने से डाउनस्ट्रीम रासायनिक क्षेत्र में लगभग 2.5 लाख नौकरियां खतरे में पड़ जाएंगी, जिससे क्षेत्र में निवेश और नवाचार प्रभावित होंगे।

- viii. संबंधित-पक्ष से सोर्सिंग और ट्रांसफर प्राइसिंग व्यवस्थाएं सामान्य वाणिज्यिक प्रथाएं हैं और डंपिंग विश्लेषण केवल सत्यापित निर्यात कीमतों और लेन-देन संबंधी आंकड़ों पर आधारित होना चाहिए।

अ.2 आवेदक द्वारा प्रस्तुति

115. आवेदक ने भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दों के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:

- i. विचाराधीन उत्पाद एक अंतिम मध्यवर्ती है जो मुख्य रूप से पीएक्स-13 के उत्पादन में उपयोग किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद पीएक्स-13 की लागत में 60-70% हिस्सा बनाता है। इसलिए, विचाराधीन उत्पाद पर 10% शुल्क का अर्थ है डाउनस्ट्रीम उत्पाद की लागत में 6% वृद्धि। हालांकि, पीएक्स-13 उत्पादक लागत में वृद्धि को डाउनस्ट्रीम उद्योग, अर्थात् टायर उद्योग को पास कर देगा। पीएक्स-13 का उपयोग मुख्य रूप से टायर के उत्पादन में किया जाता है। पीएक्स-13 टायर के कुल उत्पादन की लागत में 1% से कम हिस्सा बनाता है। इसलिए, विचाराधीन उत्पाद पर शुल्क का डाउनस्ट्रीम उद्योग टायर उत्पादकों पर प्रभाव नगण्य होगा।
- ii. विचाराधीन उत्पाद का प्रत्यक्ष डाउनस्ट्रीम उद्योग, अर्थात् पीएक्स-13, वर्तमान में चीन पीआर, यूरोपीय संघ, कोरिया आरपी और थाईलैंड से आयात पर एंटी-डंपिंग जांच के अधीन है। पीएक्स-13 पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने के साथ, डाउनस्ट्रीम उद्योग लागत में वृद्धि को अपने आगे के डाउनस्ट्रीम उद्योग, अर्थात् टायर उद्योग को पास कर पाएगा। टायर उद्योग टायर पर एंटी-सब्सिडी शुल्क के माध्यम से संरक्षित है जो केवल जुलाई 2029 में समाप्त हो रहा है। इसके अलावा, टायर के आयात प्रतिबंधित हैं और इसके लिए बीआईएस लाइसेंस की आवश्यकता होती है।
- iii. विचाराधीन उत्पाद की क्षमता डाउनस्ट्रीम उत्पाद - पीएक्स-13 से अधिक है। इसलिए, आवेदक के पास व्यापारी बाजार में बिक्री के लिए शेष क्षमताओं का उपयोग करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। पीएक्स-13 के लिए, आवेदक फिर से आयात के साथ-साथ अन्य दो उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। आवेदक अपने 4-एडीपीए मूल्यों को गैर-चोटकारक मूल्य के स्तर से अधिक नहीं बढ़ा सकता। 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने का अर्थ होगा कि घरेलू उद्योग और 4-एडीपीए के अन्य उपभोक्ता दोनों को एनआईपी (या एनआईपी से कम) पर 4-एडीपीए मिलेगा।
- iv. प्रस्तावित जांच अवधि के बाद, एक अन्य उत्पादक ने भी 4-एडीपीए के लिए क्षमता स्थापित की है। इसका अर्थ है कि कंपनी आवेदक के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी।
- v. 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क उपभोक्ता को वर्तमान में उपलब्ध अनुचित लाभ को समाप्त करेगा। प्रदान किए गए डेटा से स्पष्ट है कि (a) 4-एडीपीए डंप किए गए मूल्यों पर आयात किया जा रहा है, (b) डंपिंग घरेलू उद्योग को भौतिक चोट पहुंचा

गैर-गोपनीय

रही है। इसलिए, 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना उपभोक्ता को वर्तमान में उपलब्ध अनुचित लाभ को समाप्त करेगा। साथ ही, एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना घरेलू उद्योग को विचाराधीन उत्पाद या डाउनस्ट्रीम उत्पाद - पीएक्स-13 पर कोई अनुचित लाभ नहीं देगा।

- vi. एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना किसी भी तरह से आयात को प्रतिबंधित नहीं करेगा। आयात होते रहेंगे लेकिन उचित कीमतों पर।
- vii. 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क केवल आवेदक के लिए समान अवसर प्रदान करेगा और कोई अनुचित लाभ नहीं देगा। इसके विपरीत, विचाराधीन उत्पाद पर एंटी-डंपिंग शुल्क न लगाना (a) पीएक्स-13 पर एंटी-डंपिंग शुल्क के उपचार को कमजोर करेगा, (b) 4-एडीपीए और पीएक्स-13 दोनों में घरेलू उद्योग को निरंतर चोट पहुंचाएगा।
- viii. डंप किए गए आयात के अभाव में, घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत महत्वपूर्ण रूप से घटी होती। इससे कैप्टिव बिक्री और अधिक व्यवहार्य हो जाती। इस प्रकार, 4-एडीपीए की डंपिंग घरेलू उद्योग को इसकी कैप्टिव बिक्री के संबंध में भी चोट पहुंचा रही है।
- ix. घरेलू उद्योग के पास वर्तमान और संभावित मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है। घरेलू उद्योग के पास वर्तमान क्षमता देश में 4-एडीपीए की वर्तमान और संभावित मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।
- x. पीएक्स-13 की निरंतर डंपिंग के साथ, घरेलू उद्योग अपनी पीएक्स-13 की बिक्री या पीएक्स-13 का विक्रय मूल्य नहीं बढ़ा पाएगा। हालांकि, घरेलू उद्योग अपनी 4-एडीपीए की घरेलू बिक्री बढ़ा पाएगा, जिससे यह 4-एडीपीए में संचालन के इष्टतम स्तर को प्राप्त कर सकेगा और पीएक्स-13 की प्रति इकाई लागत कम कर सकेगा। उत्पादन लागत में मामूली कमी उद्योग को पीएक्स-13 में भौतिक चोट की वर्तमान स्थिति से उबरने की अनुमति नहीं देगी।
- xi. चूंकि विचाराधीन उत्पाद की डंपिंग जारी रहेगी, घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं की सीमा तक पीएक्स-13 या 4-एडीपीए की घरेलू बिक्री नहीं बढ़ा पाएगा। घरेलू उद्योग अपनी कीमतें भी नहीं बढ़ा पाएगा। इसलिए, घरेलू बिक्री में मामूली वृद्धि उद्योग को पीएक्स-13 में भौतिक चोट की वर्तमान स्थिति से उबरने की अनुमति नहीं देगी।
- xii. विषय देशों से आयात 2023-24 तक बढ़ा और जांच की अवधि में मामूली रूप से घटा, घरेलू बाजार में पीएक्स-13 की तीव्र डंपिंग के कारण।
- xiii. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री 2022-23 और 2023-24 में घटी लेकिन उसके बाद बढ़ी। घरेलू उद्योग के पास पूरी घरेलू मांग को पूरा करने की क्षमता है। इसलिए, आयात की मात्रा घरेलू उद्योग द्वारा खोई गई बिक्री की मात्रा है। उचित विक्रय मूल्य को ध्यान में रखते हुए, घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री मूल्य ₹230 करोड़ से अधिक हो सकता था जो घरेलू उद्योग के पूरे व्यावसायिक संचालन का लगभग 17% होगा।

गैर-गोपनीय

हालांकि, वर्तमान बिक्री मूल्य केवल ₹14 करोड़ तक सीमित है जो केवल 1% है। जबकि विचाराधीन उत्पाद के पास घरेलू उद्योग के संचालन का पर्याप्त हिस्सा बनने की क्षमता है, डंप किए गए आयात इसे अपनी बिक्री बढ़ाने से रोक रहे हैं।

- xiv. एंटी-डंपिंग कानून का उद्देश्य माननीय सुप्रीम कोर्ट ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम नामित प्राधिकरण [2006 (202) E.L.T. 23 (S.C.)] के मामले में अच्छी तरह से मान्यता दी, सराहा और कहा था कि "एंटी-डंपिंग कानून, इसलिए, एक हितकारी उपाय है जो हमारे उद्योगों के विनाश को रोकता है जो स्वतंत्रता के बाद उस समय के हमारे देशभक्त, आधुनिक विचार वाले नेताओं के मार्गदर्शन में बनाए गए थे और आज सभी का काम यह देखना है कि हमारे देश में और तेजी से औद्योगीकरण हो, भारत को एक आधुनिक, शक्तिशाली, अत्यधिक औद्योगिक राष्ट्र बनाने के लिए।"

अ.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

116. प्राधिकरण ने जांच की कि क्या अनुशंसित एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना सार्वजनिक हित में होगा। ऐसा करने में, प्राधिकरण ने रिकॉर्ड पर उपलब्ध जानकारी और विभिन्न हितधारकों, जिनमें घरेलू उद्योग, विदेशी उत्पादक और उपभोक्ता शामिल हैं, के हितों पर विचार किया।
117. प्राधिकरण ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी की जिसमें सभी इच्छुक पार्टियों, जिनमें आयातक, उपभोक्ता और अन्य इच्छुक पार्टियां शामिल हैं, से विचार आमंत्रित किए गए। प्राधिकरण ने उपयोगकर्ताओं के लिए वर्तमान जांच के संबंध में प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने के लिए एक प्रश्नावली भी निर्धारित की, जिसमें एंटी-डंपिंग शुल्क का उनके संचालन पर संभावित प्रभाव भी शामिल है। प्राधिकरण ने अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न देशों से विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की विनिमेयता, स्रोतों को बदलने की क्षमता, उपभोक्ताओं पर एंटी-डंपिंग शुल्क का प्रभाव, और ऐसे कारक जो एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से उत्पन्न नई स्थिति में समायोजन को तेज या विलंबित कर सकते हैं, पर जानकारी मांगी।
118. प्राधिकरण नोट करता है कि एंटी-डंपिंग शुल्क का उद्देश्य, सामान्य तौर पर, डंपिंग की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को पहुंचाई गई चोट को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति फिर से स्थापित हो सके।
119. प्राधिकरण ने एक आर्थिक हित प्रश्नावली निर्धारित की थी, जो इस जांच में सभी इच्छुक पार्टियों को भेजी गई थी। उपयोगकर्ताओं ने दावा किया है कि एंटी-डंपिंग शुल्क संचालन

गैर-गोपनीय

को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे। प्राधिकरण ने विरोधी पार्टियों और आवेदक द्वारा की गई प्रस्तुतियों के आलोक में इन दावों की जांच की है।

120. घरेलू उद्योग और उपयोगकर्ता उद्योग द्वारा दायर डेटा की जांच पर, यह नोट किया गया है कि 4-एडीपीए पीएक्स-13 का उत्पादन करने के लिए आवश्यक प्रमुख कच्चा माल है; हालांकि अंतिम उत्पाद, टायर, की कीमत पर इसका प्रभाव सीमित है। आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि 4-एडीपीए पीएक्स-13 की लागत का 60-70% बनाता है, और पीएक्स-13 स्वयं टायर के उत्पादन की लागत का 1% से कम बनाता है। विरोधी पार्टियों ने तर्क दिया है कि शुल्क लगाने से डाउनस्ट्रीम पीएक्स-13 उत्पादकों की इनपुट लागत बढ़ेगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर होगी। प्राधिकरण नोट करता है कि जबकि शुल्क का डाउनस्ट्रीम उत्पादकों पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है, डाउनस्ट्रीम पीएक्स-13 उद्योग लागत वृद्धि को टायर उद्योग को पास कर जाएगा, जो व्यापार उपचार उपायों के माध्यम से संरक्षित है। यह भी विचार किया जाता है कि, जबकि घरेलू उद्योग ने पीएक्स-13 के डंप किए गए आयात के संबंध में एक आवेदन दायर किया था, जिसमें उसके कारण हुई भौतिक चोट का दावा किया गया था, लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वर्तमान जांच में उपयोगकर्ता उद्योग, पीएक्स-13 का उत्पादक भी है। हालांकि, लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने पीएक्स-13 से संबंधित जांच में भाग नहीं लिया है। उपयोगकर्ता ने यह दावा नहीं किया है कि पीएक्स-13 की डंपिंग उसके संचालन को प्रभावित कर रही थी। इसलिए, यह देखा गया है कि उपयोगकर्ता उद्योग ने न तो दावा किया है और न ही यह स्थापित किया है कि वह 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से उत्पन्न लागत में किसी भी वृद्धि को अपने डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं को पास करने में असमर्थ होगा। इसके अलावा, अंतिम निष्कर्ष संख्या 6/10/2025-डीजीटीआर दिनांक 24 जून 2026 के माध्यम से, डीजीटीआर ने पीएक्स-13 के डंप किए गए आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश की है।

121. नीचे तालिका आयात की लैंडेड कीमत दर्शाती है।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	अवतरण कीमत	रु. /एमटी	2,16,037	3,05,475	2,48,747	2,41,808

122. यह देखा गया है कि लैंडेड कीमत 2022-23 में बढ़ी, और उसके बाद 2023-24 में घटी और जांच की अवधि में और गिरावट आई। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि, विषय वस्तुओं की वर्तमान लैंडेड कीमतों में प्रस्तावित एंटी-डंपिंग शुल्क जोड़ने के बाद भी, परिणामी कीमतें विषय वस्तुओं की पिछली कीमतों से कम रहेंगी। इसलिए, जब इन

उच्च कीमतों ने उपयोगकर्ता को प्रभावित नहीं किया, तो एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने का भौतिक प्रभाव होने की संभावना नहीं है। विरोधी पार्टियों ने तर्क दिया है कि डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ता मुख्य रूप से घरेलू आपूर्ति की कमी के कारण आयात पर निर्भर हैं और आवेदक की कम क्षमता उपयोग ने उपयोगकर्ताओं के पास विदेश से सोर्सिंग के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा। प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग महत्वपूर्ण निष्क्रिय क्षमता के साथ काम कर रहा है और भारत में वर्तमान और संभावित मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता रखता है। एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना आयात को प्रतिबंधित नहीं करता है बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि आयात उचित कीमतों पर उपलब्ध हों।

123. व्यापार विचलन और भेदभाव पर प्रस्तुतियों के संबंध में, प्राधिकरण ने आयात डेटा की जांच की है और नोट करता है कि विषय देशों से आयात भारत में संपूर्ण आयात का गठन करते हैं। प्राधिकरण आगे नोट करता है कि नियमों के अनुलग्नक II, पैरा (iii) के तहत संचयी मूल्यांकन की शर्तें संतुष्ट हैं। प्राधिकरण ने रिकॉर्ड पर डंपिंग और चोट के साक्ष्य के आधार पर विषय देशों के खिलाफ जांच शुरू की है। अन्य देशों का बहिष्करण डब्ल्यूटीओ एंटी-डंपिंग समझौते का उल्लंघन नहीं करता है।
124. लगभग 2.5 लाख नौकरियों के लिए रोजगार जोखिम के दावे के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि यह दावा किसी साक्ष्य द्वारा प्रमाणित नहीं है। घरेलू उद्योग स्वयं केवल लगभग 80 व्यक्तियों के प्रत्यक्ष रोजगार के साथ एक पीएक्स-13 संयंत्र संचालित करता है। इसलिए, 2.5 लाख नौकरियों को खतरे में डालने का दावा रिकॉर्ड पर साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं है।
125. प्राधिकरण आगे नोट करता है कि अनुशंसित एंटी-डंपिंग शुल्क केवल घरेलू उद्योग को समान अवसर प्रदान करेगा और एकाधिकार की कोई स्थिति नहीं बनाएगा क्योंकि भारत में विषय वस्तु का एक अन्य उत्पादक है, जिसने जांच की अवधि के बाद उत्पादन शुरू किया है।
126. प्राधिकरण देखता है कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेश उचित बाजार सिद्धांतों के आधार पर किए गए थे। घरेलू उद्योग से महत्वपूर्ण डंपिंग की उपस्थिति में क्षमता विस्तार करने या बनाए रखने की उम्मीद करना उचित नहीं है। उपयोगकर्ता उद्योग ने डंप किए गए आयात तक पहुंच की उम्मीद में परिचालन स्थापित नहीं किया। प्राधिकरण आगे नोट करता है कि एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से भारतीय बाजार में विषय वस्तुओं की कमी या अभाव होने की उम्मीद नहीं है। एंटी-डंपिंग शुल्क भारत में आयात को प्रतिबंधित या अन्यथा सीमित नहीं करता है; बल्कि, यह डंप किए गए आयात के चोटकारक प्रभावों

गैर-गोपनीय

को संबोधित करना और यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ऐसे आयात भारतीय बाजार में उचित कीमतों पर प्रवेश करें।

127. ऊपर पैरा J.1 में दर्ज अन्य इच्छुक पार्टियों की शेष प्रस्तुतियों के संबंध में: (a) इस प्रस्तुति पर कि 4-एडीपीए फार्मास्यूटिकल्स, एगोकेमिकल्स, जल उपचार, कपड़ा और चिपकने वाले पदार्थों के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट है, प्राधिकरण नोट करता है कि वर्तमान जांच में पहचाने गए विचाराधीन उत्पाद के उपयोगकर्ता लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फिनोरकेम लिमिटेड और घरेलू उद्योग हैं, जो सभी इसका उपयोग पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए करते हैं, और उल्लिखित अन्य क्षेत्रों से किसी भी उपयोगकर्ता ने इच्छुक पार्टी के रूप में पंजीकरण नहीं कराया है या रिकॉर्ड पर कोई जानकारी नहीं रखी है; (b) इस प्रस्तुति पर कि 15% का शुल्क डाउनस्ट्रीम संचालन के लिए लगभग 11% की लागत वृद्धि में परिणत होगा, प्राधिकरण नोट करता है कि, रिकॉर्ड पर जानकारी के अनुसार, 4-एडीपीए पीएक्स-13 की लागत का 60-70% बनाता है और पीएक्स-13 टायर की लागत का 1% से कम है, ताकि अंतिम उत्पाद के स्तर पर अनुशंसित शुल्क का प्रभाव सीमित हो, और किसी भी उपयोगकर्ता ने वृद्धि को पास करने में असमर्थता स्थापित करने वाली जानकारी रिकॉर्ड पर नहीं रखी है; (c) व्यापार विचलन पर, प्राधिकरण नोट करता है कि जांच की अवधि के दौरान विषय देशों के अलावा अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात नहीं था, और भविष्य के विचलन की आशंका विषय देशों से चोटकारक डंपिंग को संबोधित करने से इनकार करने का आधार नहीं है; और (d) संबंधित-पार्टी सोर्सिंग और हस्तांतरण मूल्य निर्धारण पर, प्राधिकरण नोट करता है कि चीन पीआर से सहयोगी उत्पादकों का निर्यात मूल्य उनके संबंधित व्यापारी के माध्यम से लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड, एक असंबंधित व्यापारी, को उनकी बिक्री के आधार पर निर्धारित किया गया है, जैसा कि ऊपर पैरा 52 से 55 में दर्ज है, और संबंधित-पार्टी हस्तांतरण मूल्य निर्धारण से प्रभावित नहीं है।

ट. प्रकटीकरण के बाद की टिप्पणियां

ट.1 अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुतियां

128. प्रकटीकरण विवरण पर अपनी टिप्पणियों में अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतियां की गई हैं:
- क. कि प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग द्वारा 4-एडीपीए के कैप्टिव उत्पादन/खपत और वास्तविक व्यापारी बिक्री के बीच अंतर की पर्याप्त जांच नहीं की है। नोसिल का उत्पादन मुख्य रूप से कैप्टिव रूप से उपभोग किया जाता है, जबकि व्यापारी बिक्री

गैर-गोपनीय

इसके उत्पादन का 5% से अधिक नहीं, केवल एक छोटा अनुपात है। इसलिए प्रतिवादी प्राधिकरण से अनुरोध करते हैं कि वह जांच करे कि क्या ऐसी सीमित व्यापारी बिक्री व्यापारी बाजार में सार्थक व्यावसायिक उपस्थिति प्रदर्शित करती है और क्या चोट और स्थिति निर्धारित करने में कैप्टिव उत्पादन पर भरोसा किया जा सकता है।

- ख. कि घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में गिरावट की जांच कैप्टिव खपत में पर्याप्त गिरावट और डाउनस्ट्रीम पीएक्स-13 व्यवसाय के प्रदर्शन से स्वतंत्र रूप से नहीं की जा सकती है। चूंकि नोसिल का 4-एडीपीए उत्पादन मुख्य रूप से इसके कैप्टिव पीएक्स-13 उत्पादन से जुड़ा है, पीएक्स-13 उत्पादन या कैप्टिव खपत में कोई भी गिरावट तदनुसार 4-एडीपीए उत्पादन, क्षमता उपयोग और वित्तीय प्रदर्शन को प्रभावित करेगी। पीएक्स-13 स्थितियों के लिए जिम्मेदार चोट को उचित गैर-विशेषता विश्लेषण के बिना डंप किए गए 4-एडीपीए आयात के लिए पुनः जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।
- ग. कि प्राधिकरण का कारण संबंध का निष्कर्ष इस तथ्य के आलोक में पुनर्विचार की आवश्यकता है कि घरेलू बिक्री और मांग बढ़ी, जबकि मूल्य अंडरकटिंग नकारात्मक थी, और कुछ चोट मापदंडों में गिरावट कम कैप्टिव खपत के साथ मेल खाती थी। प्रतिवादी तर्क देते हैं कि विषय आयात के लिए समग्र गिरावट को जिम्मेदार ठहराने से पहले पूर्व-मौजूदा कम उपयोग और कैप्टिव खपत में गिरावट को अलग से मापा जाना चाहिए।
- घ. कि नोसिल और उपयोगकर्ताओं के बीच मूल्य निर्धारण व्यवस्था मूल्य दमन/अवसाद और कारण संबंध की जांच के लिए प्रासंगिक है, क्योंकि कीमतें आयात की लैंडेड कीमत द्वारा निर्धारित होने के बजाय निर्दिष्ट कच्चे माल की लागत, नोसिल की लागत और उचित लाभ से जुड़े पूर्व-सहमत फॉर्मूले के अनुसार निर्धारित की गई थीं। इसलिए प्राधिकरण से अनुरोध किया जाता है कि वह यह निष्कर्ष निकालने से पहले कि घरेलू कीमतें विषय आयात द्वारा दबाई या उदास की गई थीं, प्रासंगिक समझौतों और मूल्य निर्धारण फॉर्मूले की जांच करे।
- ड. कि एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से नोसिल और अन्य पीएक्स-13 उत्पादकों के बीच संरचनात्मक लागत विषमता हो सकती है, क्योंकि नोसिल लंबवत रूप से एकीकृत है और मुख्य रूप से कैप्टिव 4-एडीपीए पर निर्भर है, जबकि अन्य डाउनस्ट्रीम उत्पादक बाहरी रूप से 4-एडीपीए प्राप्त करते हैं। नोसिल की सीमित व्यापारी बिक्री को देखते हुए, शुल्क डाउनस्ट्रीम उत्पादकों की खरीद लागत बढ़ा सकता है बिना संबंधित सार्थक घरेलू विकल्प प्रदान किए। इसलिए प्रतिवादी प्राधिकरण से अनुरोध करते हैं कि वह डाउनस्ट्रीम प्रभाव और 4-एडीपीए के अपस्ट्रीम उत्पादक और कैप्टिव उपभोक्ता दोनों के रूप में नोसिल की दोहरी स्थिति की जांच करे।

- च. कि प्राधिकरण को एडिटिव्स के साथ और बिना एनआईपी निर्धारण को भी स्पष्ट करना चाहिए, और प्रकटीकरण के बाद की प्रस्तुतियों में उठाए गए मुद्दों के आलोक में चोट मार्जिन और संबंधित लागत/प्रतिफल मान्यताओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। तदनुसार प्रतिवादी अनुरोध करते हैं कि जांच समाप्त की जाए; वैकल्पिक रूप से, कि उपरोक्त भौतिक मुद्दों को विशेष रूप से संबोधित किया जाए और उचित जांच के बाद संशोधित प्रकटीकरण/अंतिम निर्धारण जारी किया जाए।

ट.2 घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन

129. प्रकटीकरण विवरण पर अपनी टिप्पणियों में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतियों की गई हैं:
- क. घरेलू उद्योग ने प्राधिकरण से अनुरोध किया है कि वह इस निष्कर्ष की पुष्टि करे कि विषय वस्तुएं डंप किए गए मूल्यों पर भारत को निर्यात की जा रही हैं और यही उन्हें मूल्य और मात्रा दोनों चोट पहुंचा रही है। यह भी अनुरोध किया गया है कि अंतिम निष्कर्षों में प्रकटीकरण विवरण में किए गए गैर-विशेषता अवलोकनों की पुष्टि की जाए।
- ख. विषय आयात के संयुक्त मात्रा और मूल्य प्रभावों के माध्यम से डंप किए गए आयात और घरेलू उद्योग को होने वाली चोट के बीच स्पष्ट कारण संबंध है। तदनुसार घरेलू उद्योग प्राधिकरण से अनुरोध करता है कि वह कारण संबंध पर निष्कर्ष की पुष्टि करे।
- ग. प्राधिकरण को विषय देशों के लिए निर्धारित चोट मार्जिन की पुष्टि करनी चाहिए और, आयात कीमतों में अस्थिरता और स्थापित चोट को ध्यान में रखते हुए, शुल्क के उपयुक्त रूप पर विचार करना चाहिए जो डंप किए गए आयात से होने वाली चोट को प्रभावी ढंग से संबोधित करेगा।
- घ. घरेलू उद्योग प्राधिकरण से अनुरोध करता है कि वह डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर कथित प्रतिकूल प्रभाव की सीमित और अप्रमाणित प्रकृति के संबंध में अपने निष्कर्षों पर ध्यान दे और पुष्टि करे कि ऐसे सामान्यीकृत दावे डंपिंग, चोट और कारण संबंध स्थापित करने वाले मामले-विशिष्ट साक्ष्य से अधिक नहीं हैं।
- ड. प्रकटीकरण विवरण में प्राधिकरण ने डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर प्रस्तावित एंटी-डंपिंग शुल्क के प्रभाव का विश्लेषण किया और नोट किया कि सीमित प्रभाव होगा। डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर प्रतिकूल प्रभाव के दावे, जिनमें लगभग 2.5 लाख नौकरियों पर कथित प्रभाव भी शामिल है, रिकॉर्ड पर साक्ष्य द्वारा असमर्थित हैं और उन पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए।

च. घरेलू उद्योग ने प्राधिकरण से यह भी अनुरोध किया कि वह अंतिम निष्कर्षों में प्रकटीकरण विवरण में निर्धारित आवश्यक तथ्यों और निष्कर्षों की पुष्टि करे और निर्धारित अवधि के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करे।

ट.3 प्राधिकरण द्वारा परीक्षण

130. प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा दायर प्रकटीकरण-पश्चात अभ्यावेदनों का परीक्षण किया है। इनमें से कई अभ्यावेदन जांच के दौरान किए गए उन अभ्यावेदनों को दोहराते हैं, जिनका इन अंतिम निष्कर्षों में पहले ही परीक्षण किया जा चुका है। फिर भी, प्राधिकरण ने सभी प्रासंगिक टिप्पणियों पर, इस सीमा तक कि वे अभिलेख पर उपलब्ध साक्ष्य द्वारा समर्थित हैं और अंतिम निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण हैं, निम्नानुसार विचार किया है।
131. घरेलू उद्योग के कैप्टिव और व्यापारी संचालन के बीच अंतर के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग का बड़ा हिस्सा पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए कैप्टिव रूप से उपभोग किया जाता है, और पूरी चोट अवधि में इसकी व्यापारी बिक्री छोटी रही है। इस कारण से प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग के मात्रा मापदंडों की जांच समान वस्तु के इसके कुल उत्पादन और बिक्री के आधार पर की है, और इसके मूल्य और लाभप्रदता मापदंडों की जांच इसकी व्यापारी बिक्री के आधार पर की है, जैसा कि ऊपर पैरा 17 में दर्ज है। कैप्टिव खपत में गिरावट के प्रभाव की जांच ऊपर पैरा 109 में की गई है, और उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट के उस हिस्से को डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है जो कम कैप्टिव खपत से उत्पन्न होता है। प्राधिकरण द्वारा पाई गई भौतिक चोट व्यापारी खंड में प्रतिकूल मूल्य प्रभावों, घाटे और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल, और विषय आयात के प्रभुत्व पर आधारित है, जिन्होंने पूरी चोट अवधि में व्यापारी बाजार का 93% से 99% हिस्सा रखा। घरेलू उद्योग इस तथ्य के बावजूद कि इसका बड़ा हिस्सा कैप्टिव रूप से उपभोग किया जाता है, व्यापारी बाजार में अपने हित की सुरक्षा का हकदार है।
132. घरेलू बिक्री और मांग में वृद्धि और नकारात्मक मूल्य अंडरकटिंग से संबंधित प्रस्तुतियों के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू बिक्री या मांग में वृद्धि, या सकारात्मक मूल्य अंडरकटिंग की अनुपस्थिति, अपने आप में चोट के अस्तित्व या अनुपस्थिति को निर्धारित नहीं करती है। जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री केवल इसलिए बढ़ी क्योंकि इसने अपनी बिक्री लागत से कम कीमतों पर बिक्री की, और पूरी चोट

गैर-गोपनीय

- अवधि में व्यापारी बाजार में इसकी बाजार हिस्सेदारी एकल अंकों में रही। प्राधिकरण ने डंप किए गए आयात के प्रभाव और कारण संबंध का निर्धारण करने में उत्पादन, क्षमता उपयोग, कीमतों, लाभप्रदता और बाजार हिस्सेदारी में रुझानों के साथ-साथ इन कारकों का सामूहिक रूप से मूल्यांकन किया है।
133. घरेलू उद्योग और उसके ग्राहकों के बीच मूल्य निर्धारण व्यवस्था के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद को अपनी बिक्री लागत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे बेचा, और घरेलू उद्योग ने कहा है कि उसने बड़े मात्रा के ऑर्डर को सुरक्षित करने के लिए अपने एक उपभोक्ता को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कीमतें प्रदान कीं। बिक्री लागत से कम कीमतें कच्चे माल की लागत, घरेलू उद्योग की लागत और उचित लाभ पर आधारित फॉर्मूले के अनुरूप नहीं हैं, और दर्शाती हैं कि जांच की अवधि के दौरान वास्तव में प्राप्त कीमतें विषय आयात के साथ प्रतिस्पर्धी द्वारा निर्धारित की गई थीं। ऊपर पैरा 82 और 83 में मूल्य दमन और अवसाद का निष्कर्ष उन कीमतों पर आधारित है।
134. घरेलू उद्योग और पीएक्स-13 के अन्य उत्पादकों के बीच संरचनात्मक लागत विषमता पर प्रस्तुति के संबंध में, प्राधिकरण ने ऊपर अनुभाग J में डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर शुल्क के प्रभाव की जांच की है। अनुशंसित शुल्क चोट मार्जिन तक सीमित है, यह आयात को प्रतिबंधित नहीं करता है, और घरेलू उद्योग के पास भारत में पूरी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है; इसलिए पीएक्स-13 के अन्य उत्पादकों के पास घरेलू उद्योग से और गैर-डंप किए गए मूल्यों पर आयात से 4-एडीपीए तक पहुंच बनी रहेगी।
135. एडिटिव्स के साथ और बिना गैर-चोटकारक मूल्य के स्पष्टीकरण के अनुरोध के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है, जैसा कि ऊपर पैरा 18 में दर्ज है, कि गैर-चोटकारक मूल्य निर्धारित करने में एडिटिव की लागत और कैप्टिव हस्तांतरण से पहले किए गए आगे के प्रसंस्करण की रूपांतरण लागत को ध्यान में नहीं रखा गया है। तदनुसार गैर-चोटकारक मूल्य एडिटिव्स रहित 4-एडीपीए से संबंधित है, जिस रूप में विषय आयात भारत में प्रवेश करते हैं, और एडिटिव्स युक्त 4-एडीपीए के लिए अलग गैर-चोटकारक मूल्य की आवश्यकता नहीं है।
136. स्थिति निर्धारित करने में कैप्टिव उत्पादन पर निर्भरता के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि नियमों का नियम 2(b) समान वस्तु के निर्माण में लगे घरेलू उत्पादकों और उस वस्तु के उनके सामूहिक उत्पादन को संदर्भित करता है। समान वस्तु, जैसा कि

गैर-गोपनीय

ऊपर पैरा 17 में माना गया है, 4-एडीपीए शामिल करती है चाहे व्यापारी बाजार में बेचा जाए या कैप्टिव रूप से हस्तांतरित किया जाए, और तदनुसार स्थिति के प्रयोजनों के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादन पर पूर्ण रूप से विचार किया गया है।

137. शुल्क के रूप के संबंध में, प्राधिकरण वर्तमान मामले के तथ्यों में अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन में व्यक्त एक निश्चित शुल्क, जो डंपिंग मार्जिन और चोट मार्जिन में से कम के बराबर है, उपयुक्त मानता है। प्राधिकरण को प्रकटीकरण के बाद की प्रस्तुतियों में जांच को समाप्त करने या नया प्रकटीकरण विवरण जारी करने का कोई आधार नहीं मिलता है।

ठ. निष्कर्ष

138. उठाए गए दलीलों, प्रदान की गई जानकारी, और इच्छुक पार्टियों द्वारा की गई प्रस्तुतियों और प्राधिकरण के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, जैसा कि उपरोक्त निष्कर्ष में दर्ज है, और डंपिंग, चोट और घरेलू उद्योग से कारण संबंध के उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकरण निम्नानुसार निष्कर्ष निकालता है:

क. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के दायरे पर:

- (i) विचाराधीन उत्पाद "4-एमिनोडाइफेनिलएमीन" है, जिसे "4-एडीपीए" या "4-एन-फेनिलबेंजीन-1,4-डायमीन" के रूप में भी जाना जाता है, चाहे उसमें एडिटिव्स हों या न हों जो 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन के रूप में इसके आवश्यक चरित्र को नहीं बदलते हैं, और चाहे इसे व्यापारी बाजार में बेचा जाए या कैप्टिव रूप से हस्तांतरित किया जाए।
- (ii) घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित लेख और विषय देशों से निर्यात की गई विषय वस्तुएं नियमों के नियम 2(d) के संदर्भ में एक-दूसरे के लिए समान वस्तु हैं।

ख. घरेलू उद्योग और स्थिति पर:

- (i) आवेदक के अलावा, भारत में विषय वस्तु का एक अन्य उत्पादक है, अर्थात् फिनोरकेम लिमिटेड, जिसने चोट अवधि के बाद विषय वस्तु का उत्पादन किया है।
- (ii) आवेदक नियम 2(b) के अर्थ में घरेलू उद्योग का गठन करता है और नियमों के नियम 5(3) के संदर्भ में स्थिति के मानदंड को पूरा करता है।

ग. जांच की अवधि पर:

गैर-गोपनीय

- (i) जांच की अवधि 01.04.2024 से 31.03.2025 है, और चोट अवधि में 2021-22, 2022-23, 2023-24 और जांच की अवधि शामिल है।

घ. सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य पर:

- (i) चीन पीआर के उत्पादक, सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (शेडोंग) और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (अनहुई), अपने संबंधित निर्यातक/व्यापारी सेनिक्स कंपनी लिमिटेड के साथ, वर्तमान जांच में भाग लिया है। विषय वस्तुएं भारत को लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड, एक असंबंधित व्यापारी, के माध्यम से निर्यात की गई थीं।
- (ii) चीन पीआर से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था उपचार का दावा करते हुए पूरक प्रश्नावली प्रतिक्रिया दायर नहीं की है, और तदनुसार चीन पीआर के लिए सामान्य मूल्य नियमों के अनुलग्नक I के पैरा 7 के संदर्भ में, किसी अन्य उचित आधार पर, अर्थात् भारत में उत्पादन की लागत, जिसे बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों तथा उचित लाभ के लिए विधिवत समायोजित किया गया है, के आधार पर निर्धारित किया गया है। चीन पीआर से भाग लेने वाले उत्पादकों के लिए निर्यात मूल्य उनकी प्रश्नावली प्रतिक्रियाओं के आधार पर निर्धारित किया गया है।
- (iii) यूरोपीय संघ से किसी भी उत्पादक/निर्यातक की भागीदारी के अभाव में, यूरोपीय संघ के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किए गए हैं।
- (iv) चीन पीआर और यूरोपीय संघ से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्धारित डंपिंग मार्जिन सकारात्मक हैं और डी मिनिमिस स्तर से ऊपर हैं।

ड. चोट और कारण संबंध पर:

- (i) चोट अवधि में विषय देशों से आयात महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा है, दोनों पूर्ण रूप में और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में।
- (ii) मूल्य अंडरकटिंग दोनों विषय देशों के संबंध में और भारत औसत आधार पर नकारात्मक है।
- (iii) जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतें दबाई और उदास दोनों हैं।
- (iv) चोट अवधि में घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता उपयोग घटा है; यह गिरावट मुख्य रूप से कम कैप्टिव खपत के कारण है, इसे डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है।
- (v) घरेलू उद्योग की निष्क्रिय क्षमता विषय देशों से आयात से अधिक है।

गैर-गोपनीय

- (vi) घरेलू उद्योग पूरी चोट अवधि में व्यापारी बाजार में केवल सीमित मात्रा ही बेच पाया है, जिसमें विषय आयात का 93% से 99% हिस्सा था।
- (vii) घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में वित्तीय घाटा और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल उठाया है।
- (viii) जबकि जांच की अवधि में उत्पादन और घरेलू बिक्री ने कुछ वसूली दिखाई और नकद लाभ में सुधार हुआ, घरेलू उद्योग का लाभ और पीबीआईटी महत्वपूर्ण रूप से खराब हुआ।
- (ix) घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता प्रभावित हुई है।
- (x) डंप किए गए आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं।
- (xi) घरेलू उद्योग ने भौतिक चोट उठाई है।
- (xii) घरेलू उद्योग को होने वाली भौतिक चोट विषय देशों से डंप किए गए आयात के कारण हुई है। अन्य ज्ञात कारकों, जिनमें कैप्टिव खपत में गिरावट शामिल है, के प्रभाव की जांच की गई है और इसे डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है।
- (xiii) वर्तमान भौतिक चोट के निष्कर्ष को देखते हुए, भौतिक चोट की धमकी पर अलग निर्धारण करना आवश्यक नहीं माना गया है।

च. भारतीय उद्योग के हित पर:

- (i) देश में कोई मांग और आपूर्ति अंतराल नहीं है। भारतीय उद्योग के पास पूरी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है।
- (ii) जबकि शुल्क का डाउनस्ट्रीम उत्पादकों पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है, डाउनस्ट्रीम पीएक्स-13 उद्योग लागत वृद्धि को टायर उद्योग को पास कर पाएगा। भाग लेने वाले उपयोगकर्ताओं ने लागत में वृद्धि को पास करने में अपनी असमर्थता स्थापित नहीं की है।
- (iii) एंटी-डंपिंग शुल्क यह सुनिश्चित करेगा कि आयात भारतीय बाजार में उचित कीमतों पर प्रवेश करें और निर्यातकों और घरेलू उद्योग के बीच समान अवसर बना रहे।
- (iv) एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना व्यापक सार्वजनिक हित के खिलाफ नहीं होगा।

ड. सिफारिशें

139. प्राधिकरण नोट करता है कि जांच शुरू की गई थी और सभी इच्छुक पार्टियों को अधिसूचित किया गया था, और घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों को डंपिंग, चोट, कारण संबंध और अनुशंसित उपायों के प्रभाव के पहलुओं पर

गैर-गोपनीय

सकारात्मक जानकारी प्रदान करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। नियमों के प्रावधानों के संदर्भ में डंपिंग, चोट और कारण संबंध की जांच शुरू करने और संचालित करने के बाद, और सकारात्मक डंपिंग मार्जिन और डंप किए गए आयात के कारण घरेलू उद्योग को भौतिक चोट स्थापित होने के बाद, प्राधिकरण का विचार है कि डंपिंग और चोट को ऑफसेट करने के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना आवश्यक है। तदनुसार प्राधिकरण विषय देशों से विषय वस्तु के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक मानता है।

140. प्राधिकरण द्वारा अपनाए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण घरेलू उद्योग की चोट को दूर करने के लिए डंपिंग मार्जिन और चोट मार्जिन में से जो कम हो, उसके बराबर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। तदनुसार, प्राधिकरण, नियमों के नियम 17(1)(बी) के दूसरे परंतुक के संदर्भ में, विषय देशों से उत्पन्न या निर्यातित विषय वस्तु के आयात पर, केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से पांच (5) वर्ष की अवधि के लिए, नीचे संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करता है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	हेडिंग	विवरण	मूल देश	निर्यात का देश	उत्पादक	राशि	इकाई (यूओएम)	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	2921 44 10 और 2921 51 90 (नोट 1)	4-एडीपीए (नोट 2)	चीन पीआर पीआर	चीन पीआर सहित कोई भी देश	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड आनहुई और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शानडोंग	468	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर

गैर-गोपनीय

2	वही	वही	चीन पीआर	चीन पीआर सहित कोई भी देश	क्रम संख्या 1 के अलावा कोई भी उत्पादक	533	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर
3	वही	वही	चीन पीआर के अलावा कोई भी देश	चीन पीआर	कोई भी उत्पादक	533	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर
4	वही	वही	यूरोपीय संघ	यूरोपीय संघ सहित कोई भी देश	कोई भी उत्पादक	328	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर
5	वही	वही	यूरोपीय संघ के अलावा कोई भी देश	यूरोपीय संघ	कोई भी उत्पादक	328	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर

नोट 1 - ऊपर उल्लिखित सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

नोट 2 - विचाराधीन उत्पाद का विवरण "4-एमिनोडाइफेनिलएमीन" है, जिसे "4-एडीपीए" या "4-एन-फेनिलबेंजीन-1,4-डायमीन" के रूप में भी जाना जाता है, चाहे उसमें एडिटिव्स हों या न हों जो 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन के रूप में इसके आवश्यक चरित्र को नहीं बदलते हैं।

141. उपरोक्त तालिका में उल्लिखित उत्पादक के लिए निर्दिष्ट व्यक्तिगत शुल्क दर का आवेदन सीमा शुल्क अधिकारियों को एक वैध वाणिज्यिक चालान की प्रस्तुति पर सशर्त होगा, जिस पर ऐसा चालान जारी करने वाली इकाई के एक अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित और दिनांकित एक घोषणा दिखाई देगी, जिसकी पहचान उसके नाम और कार्य द्वारा की जाएगी, जो निम्नानुसार तैयार की जाएगी:

"मैं, अधोहस्ताक्षरी, प्रमाणित करता हूँ कि इस चालान द्वारा कवर किए गए भारत को निर्यात के लिए बेचे गए 4-एडीपीए की (मात्रा) (संबंधित देश) में (कंपनी का नाम और पता) द्वारा

गैर-गोपनीय

निर्मित की गई थी। मैं घोषणा करता हूं कि इस चालान में प्रदान की गई जानकारी पूर्ण और सही है।"

यदि ऐसा कोई चालान प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो अन्य सभी उत्पादकों पर लागू शुल्क लागू होगा। यह आवश्यकता लागू सीमा शुल्क कानून और नियमों के तहत सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा स्वतंत्र रूप से किए गए सत्यापन प्रक्रियाओं के प्रति पूर्वाग्रह के बिना है।"

ढ. आगे की प्रक्रिया

142. इन अंतिम निष्कर्षों से उत्पन्न केंद्र सरकार के आदेश के खिलाफ अपील, सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9C के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष होगी।

Digitally signed by
Amitabh Kumar
Date: 25-09-2026
14:32:09

अमिताभ कुमार
(निर्दिष्ट प्राधिकारी)